डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 21 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

जयपुर स्थापना दिवस की सभी सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं

जयपुर, सोमवार, 21 नवम्बर 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

website: www.hsnews.in

आंशिक रंग-रोगन की आड़ में सीमेंट, सरिए, एंगल से गोवर्धनपुरी गलता गेट बालिका विद्यालय की ज़मीन पर तेज़ गति से चल रहा अवैध निर्माण

न्यायालय की पाबंदी आदेश की लगातार अवमानना कर रहे गलतागेट थानाधिकारी भगवानसहाय एवं आदर्शनगर नगर निगम हैरिटेज

शांति धारीवाल
यूडीएच मंत्री

किसी भी अवैध निर्माण में यूडीएच मंत्री शांति धारिवाल की कोई रुचि नहीं बस उनकी शांति भंग नहीं होनी चाहिए। इस देश का दुर्भाग्य है कि इस तरह के ग़ैर-ज़िम्मेदार लोग सत्ता में बैठकर सत्ता सुख भोग रहे हैं और ख़ुद की रोटियाँ सेंक रहे हैं।

भगवानसहाय एसएचओ
थाना गलता गेट

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। गलता गेट गोवर्धनपुरी के पास सरकारी बालिका विद्यालय की ज़मीन जो कि जेडीए द्वारा आवंटित की गई। 1611.11 वर्गग़ज़ की इस अरबों की ज़मीन पर बनावटी हिंदुत्व का हवाला देकर अतिक्रमणकारी साधु सियाराम दास कब्ज़ा कर रहा है। स्थानीय विधायक रफ़ीक़ ख़ान, पार्षद संतोष कंवर,उपमहापौर असलम फ़ारुखी,चंदू भाड़े वाले जैसे प्रभावशाली लोग उसे लगातार सहयोग कर रहे हैं।

इस अवैध और भव्य लक्जरी कॉम्प्लेक्स का निर्माण क्षेत्रीय विधायक रफ़ीक़ ख़ान व अन्य लोग क्यों कर रहे हैं ये समझना थोड़ा मुश्किल है क्योंकि शिक्षा के मंदिर की ज़मीन पर ईश्वर कभी अपना मंदिर नहीं चाहते होंगे लेकिन ये ज़मीनी प्राणी अपने लालच को ईश्वर की आस्था का नाम देकर संतुष्ट करने में लगे हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, पूर्व डीजीपी एम.एल.लाठर के संज्ञान में सारा मामला आ चुका खुद पीड़ित राकेश ने इस अवैध निर्माण के कई बार अधिकारियों को व्हाट्स वीडियो व मैसेज किए लेकिन आमजन की पीड़ा की कोई सुनवाई नहीं हुई अब तक। सारा मामला गया ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। तार कहाँ तक और क्यों जुड़े बेहद हैं यह जटिल प्रश्न हैं लेकिन स्थानीय नागरिकों के शिक्षा के हक़ की ज़मीन को हथियाने के हर हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।

कनक बिहारी मंदिर गलता गेट के साधु सियारामदास जो लगभग 80 वर्षीय है और वे मंदिर धर्म की आड़ में जेडीए द्वारा बालिका विद्यालय के लिए आवंटित ज़मीन पर अवैध निर्माण कर रहे हैं लेकिन शासन प्रशासन की निष्क्रियता व अधिकांशतः मिलीभगत इस अवैध निर्माण को लगातार सहयोग कर रही है।

बालिकाओं की शिक्षा के लिए बनने वाले विद्यालय के वास्ते आवंटित हुई जमीन के ऊपर चंद जनता के रखवालों ने करोड़ों की जमीन की बंदरबाट कर ली जनता का हक़,अधिकार छीना। आज उसको राकेश आमजन और अन्य स्थानीय लोगों ने अपनी तप,त्याग व साहस से आम जनता के सामने फ़र्ज़ीवाड़े का खुलासा किया तो अब तक इस अवैध षड्यंत्र में शामिल सभी बड़े राजनेता अफसरशाही के होश उड़ गए और सब साधु सियारामदास के साथ मिलकर अपने पाप गुनाहों को पर्दा डालने में लगे हैं साथ ही खुलासा करने वाले योद्धओं का दमन किया जा रहा है। अत्याचार,नकली भीड़ द्वारा मॉब लीचिंग हमला करवाया जा रहा है।

अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास के साथ ये लोग लगातार बैठके कर रहे हैं। मिल रहे हैं मगर आम पीड़ित जनता को सुनने का वक़्त इनके पास नहीं है।

थाना गलता गेट और आदर्शनगर जोन नगर निगम हैरिटेज न्यायालय से जारी आदेशानुसार गोवर्धनपुरी गलता गेट बालिका विद्यालय की ज़मीन पर चल रहे नवनिर्माण को यथा स्थिति बनाये रखने के लिए पाबंद हैं। किंतु अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास रंग रोगन की आंशिक अनुमति की आड़ में लगातार नवनिर्माण कर रहा है। इस संबंध में स्थानीय नागरिकों व पीड़ित राकेश आमजन और राजेश सोनी ने थाना गलतागेट में शिक़ायत की लेकिन थानाधिकारी भगवानसहाय असहाय बने रहे।

गलता गेट थानाधिकारी अवैध निर्माण को अनदेखा कर व कोर्ट की अवमानना कर क्यों बन रहे हैं असहाय?

हिलव्यू समाचार की टीम ने थानाधिकारी भगवानसहाय को बिल्डिंग में चल रहे अवैध निर्माण से अवगत करवाया और न्यायालय के पाबंदी आदेश से अवगत करवाया लेकिन थानाधिकारी भगवानसहाय ने कोई एक्शन नहीं लिया और थाने में प्रवेशद्वार पर खड़े होकर ही **हिलव्यू समाचार** को असमंजस भरे जवाब देते रहे-

प्रश्न 1 : गोवर्धनपुरी बालिका विद्यालय भूमि पर अब भी नवनिर्माण चल रहा है उसे रुकवाएँ?

एसएचओ भगवानसहाय: नवनिर्माण नहीं। मैं मौक़े पर देखकर आया हूँ?

(2000 वर्गगज की ज़मीन पर खड़ी 02 मंज़िला अवैध बिल्डिंग नज़र नहीं आयी एसएचओ भगवानसहाय को? आख़िर क्यों झूठ बोले भगवानसहाय?

प्रश्न 2 : न्यायालय ने आपको उस बालिका विद्यालय भूमि के स्थगन के आदेश के साथ नवनिर्माण न होने देने के लिए पाबंद किया है?

एसएचओ भगवानसहाय : मेरे पास कोई आदेश नहीं न्यायालय का!

(20 अक्टूबर राजेश सोनी की अपील में न्यायालय द्वारा पाबंदी के आदेश को झुठलाकर एसएचओ भगवानसहाय ख़ुद के लिए लगातार मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं)

प्रश्न 3 : आप साधु सियारामदास को अंदरूनी सपोर्ट क्यों कर रहे हैं नवनिर्माण को अनदेखा करके?

एसएचओ भगवानसहाय: ऐसा कुछ नहीं है कोई अवैध निर्माण नहीं वहाँ पर!

एसएचओ भगवानसहाय ज़िम्मेदारी से भाग क्यों रहे हैं या उन पर कोई प्रेशर है या उनकी कोई भूमिका या मिलीभगत हो गयी है साधु सियारामदास से कि लगातार चल रहे गिट्टी, सिमेंट,कंक्रीट,सरिए,एंगल से होते हुए काम को वे नकार रहे हैं। जिसका लाइव वीडियो मौक़े पर खड़े होकर हिलव्यू समाचार की टीम ने बनाया है और वह वायरल भी हुआ डिजिटल www.hsnews.in पर।

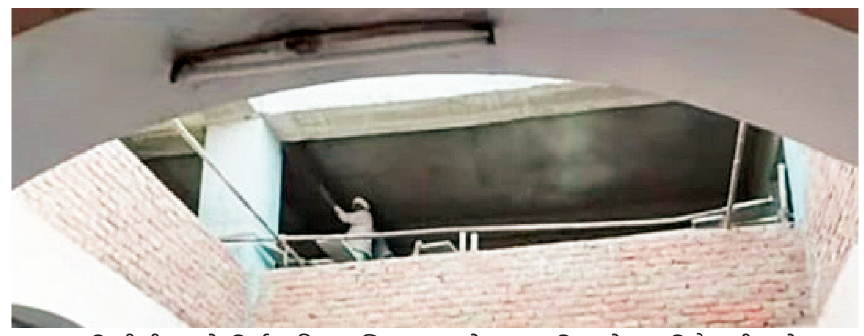

आज तक किसी भी तरह के निर्माण की साधु सियारामदास के पास ना निगम से अनुमति है ना ही उसके पास कोई मालिकाना हक़ है इस ज़मीन का। आख़िर बिना हक़ काग़ज़, नक्शा,निगम अनुमति के दो मंज़िला भव्य निर्माण कर देने वाला साधुसियारामदास लगातार झूठा शपथ-पत्र अदालत में पेश कर रहा है इस पर तो 420 का मुक़दमा भी बनता है। शपथ पत्र में सियारामदास ने लिखा है कि कोई नवनिर्माण नहीं हो रहा मौक़े पर। शासन-प्रशासन की चुप्पी लगातार इसके हौसले को बढ़ा रही है।

रफ़ीक़ ख़ान, विधायक
आदर्श नगर,

किसी विधानसभा क्षेत्र का राजा वहाँ का विधायक होता है उसकी मर्ज़ी बिना पत्ता हिलता नहीं। विधायक रफ़ीक़ ख़ान लगातार इसमें साधु सियारामदास को सहयोग कर रहे हैं। हिलव्यू समाचार की टीम ने उनसे कई बार संपर्क करने की कोशिश की लेकिन विधायक महोदय के पास सच सुनने और पीड़ितों की पीड़ा सुनने का वक़्त नहीं है।

मुनेश गुर्जर, महापौर नगर निगम
हैरिटेज, जयपुर

शहर की प्रथम प्रतिनिधि पद को लज़्ज़ित करती मुनेश गुर्जर इस शहर के लिए श्राप की तरह है। अपने कार्यकाल में अब तक इन्होंने शहर को कोई सौगात नहीं दी। बल्कि ख़ुद सौगातों से भरपूर हो गईं हैं। इनकी मेयर के रूप में। भूमिका नगण्य है।

इसी सबन्ध में आदर्शनगर जोन उपायुक्त सुरेश राव से भी संपर्क किया गया उनसे बातचीत के अंश

प्रश्नः सर! गोवर्धनपुरी गलतागेट पर न्यायालय से आपके जोन को पाबंद करने के बाद भी अब भी अवैध निर्माण चल रहा है?

उपायुक्त सुरेश राव : हमने एक कमेटी गठित की है पाँच अधिकारियों की जो मौक़ा रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

सुरेश राव, उपायुक्त आदर्शनगर जोन, नगर निगम हैरिटेज, जयपुर

प्रश्नः सर! फ़िलहाल तो काम रूकवाईये अभी भी अवैध नवनिर्माण चल रहा है?

उपायुक्त सुरेश राव : मैं मौक़े पर भेजकर चेक करवाता हूँ।

उपायुक्त एईएन विजेंद्र को मौक़ा रिपोर्ट के लिए बुलवाया लेकिन वो उपलब्ध नहीं हुए! उपायुक्त सुरेश राव ने कमेटी गठित करने की आदेश की कॉपी देने का आश्वासन दिया था लेकिन हिलव्यू समाचार के प्रकाशन के समय तक आदेश की कॉपी उपलब्ध नहीं करवाई जा सकी।

अतिक्रमण के मौक़े पर ही अतिक्रमणकारी साधुसियाराम दास से बातचीत करते हुए हिलव्यू संपादक शालिनी श्रीवास्तव।

विश्राम मीणा, आयुक्त नगर निगम हैरिटेज, जयपुर

हैरिटेज आयुक्त आईएएस विश्राम मीणा लगातार गोवर्धनपुरी पीड़ितो की बार बार इस अवैध निर्माण के चालू रहने की शिक़ायत पर सिर्फ़ दे रहे आश्वासन। जाँच कमेटी का गठन केवल दिखावा मात्र।

अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास से हिलव्यू समाचार की सीधी बातचीत

■ **प्रश्नः** आप मंदिर के नाम पर बालिका विद्यालय की ज़मीन को मंदिर में क्यों मिला रहे हैं?

उत्तर : यह ज़मीन बालिका विद्यालय की थी लेकिन सरदार जी ने यह ज़मीन बाद में मंदिर को दे दी।

■ **प्रश्न** : क्या आपके पास कोई सबूत या दस्तावेज़ हैं इस बात के ?

उत्तर : हाँ ! (लेकिन किसी तरह के कोई सबूत या दस्तावेज़ साधु सियारामदास प्रस्तुत नहीं कर सके)

■ **प्रश्नः** मंदिर सार्वजनिक है गोवर्धनपुरी के लोग यहाँ मंदिर नहीं विद्यालय चाहते हैं ऐसे में आप उनकी इच्छा के विरुद्ध कार्य क्यों कर रहे ?

उत्तर : अगर सारे निवासी आकर कह दें तो मैं इस पर तीसरी मंज़िल बनाकर विद्यालय के नाम कर दूँगा! (जो ज़मीन या बिल्डिंग ख़ुद साधु सियारामदास की नहीं उसे वे दुनिया को दान करने की बचकानी बात करते हैं)

सुनील प्रसाद शर्मा
एसीपी, थाना हिदा की मोरी, रामगंज, जयपुर

अनुसंधान अधिकारी सुनील प्रसाद शर्मा से अनुसंधान की गति पर हुई बातचीत के कुछ अंश

■ **प्रश्न : इस जाँच की अभी क्या स्थिति है?**

उत्तरः-राकेश जी की तरफ़ से मुक़दमा कोर्ट से हमें 156/3 में मिला है। गलता गेट थाने में यह प्रकरण दर्ज किया गया है। जिसमें उन्होंने FIR में आरोप लगाया है कि जातिसूचक शब्दों के साथ उनसे गाली-गलौच हुई है। अनुसंधान अभी तेज़ गति से जारी है। निष्पक्ष जाँच होगी। जैसे तथ्य सामने आएंगे उस अनुसार रिपोर्ट बनेगी।

■ **प्रश्न** : राकेश मीणा के घर के सामने विधायक रफ़ीक़ ख़ान व साधु सियारामदास द्वारा तलवार से केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। भीड़ इकट्ठी कर माहौल बनाया गया क्या ये भी जाँच में शामिल है?

उत्तर : जो भी आरोप FIR में राकेश मीणा द्वारा दर्ज करवाये गए हैं उन सभी पर जाँच होगी।

■ **प्रश्न : कितना समय लगेगा सर अनुसंधान में?**

उत्तर : इस तरह के प्रकरण जिसमें कई लोगों पर FIR हुई है तो सभी की जांच और गवाहों के बयान में वक़्त लगेगा लेकिन कोशिश है कि जल्द अनुसंधान पूरा हो।

■ **प्रश्न : विधायक रफ़ीक़ ख़ान सहित कई प्रभावशाली लोग इसमें आरोपी हैं ऐसे में आप पर प्रेशर तो होगा?**

उत्तर : इसमें जो आरोप हैं उनकी जाँच निष्पक्ष की जायेगी। यह कोई पहला प्रकरण नहीं है। आरोपियों का प्रभावशाली होना मायने नहीं रखता। जो सच होगा वही सामने आएगा। आरोप सिद्ध हुए तो आरोपियों के ख़िलाफ़ कार्यवाही होगी अन्यथा नहीं होगी।

■ **प्रश्न : राकेश मीणा सरकारी संपत्ति को बचाने के लिए ख़ुद सरकारी नौकरी से इस्तीफ़ा दे चुके हैं। क्या इस अवैध निर्माण को भी इस अनुसंधान में शामिल किया जाएगा।**

उत्तर : यह अनुसंधान का विषय है इस बारे में कुछ भी कहना सही नहीं। सरकारी ज़मीन पर कब्ज़ा किया गया है उसके लिए अलग विभाग है। सबंधित सभी प्रकरणों पर जाँच चल रही है। जो भी तथ्य जाँच में सामने आएंगे वह अनुसंधान रिपोर्ट में दर्ज किए जाएंगे। राकेश मीणा के इस्तीफे की भी जांच होगी।

ख़बर का असर

स्टिंग ऑपरेशन से हिलव्यू समाचार डिजिटल चैनल की ख़बर का हुआ बड़ा असर

पार्षद नीरज अग्रवाल वार्ड 93 आदर्शनगर

4 म 46, जवाहर नगर, जयपुर

पार्षद घनश्याम चंदलानी वार्ड 94 आद

जयपुर। उपायुक्त सुरेश राव आदर्शनगर नगर निगम ने बड़ी कार्यवाही कर जवाहरनगर 4 म 46 की अवैध बिल्डिंग को 18 नवम्बर की शाम कर दिया सीज।

आदर्शनगर विधान सभा के आदर्शनगर नगर निगम हैरिटेज के वार्ड 94 के पार्षद घनश्यामदास चंदलानी एवं वार्ड 93 के पार्षद नीरज अग्रवाल ने निगम की बिना अनुमति के आवासीय भूखंड पर बहुमंज़िला आवासीय एवं कामर्शियल अवैध निर्माण किया हुआ है।

हिलव्यू समाचार के डिजिटल चैनल पर इस अवैध निर्माण के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाई गई। जिसे www.hsnews.in हिलव्यू समाचार की वेबसाइट पर देखा जा सकता है या hsnews youtube channel पर भी देख सकते हैं।

उपायुक्त सुरेश राव ने इसी के साथ इलाके की कई अन्य अवैध बिल्डिंग्स पर गार्ड तैनात कर दिए हैं और कई अवैध निर्माणकर्ताओं को नोटिस भी जारी कर दिए हैं।

ऐसी अवैध बिल्डिंग बनाने वाले सभी बिल्डरों के लिए यह चेतावनी है। |सूत्रों के अनुसार इन बीते दिनों मे सुरेश राव 34 से अधिक अवैध बिल्डिंगों को नोटिस जारी कर चुके हैं।

सम्पादकीय

हाल में जारी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि विश्व की अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है। डालर के निरंतर मजबूत होने से महत्वपूर्ण मुद्राएं कमजोर पड़ने लगी हैं। विभिन्न देशों के विदेशी मुद्रा भंडार घटने लगे हैं, जिसके चलते वैश्विक वृद्धि दर घट रही है। आर्थिक परिदृश्य बदलने से वैश्विक भू-राजनीति भी बदल रही है। भारत सरकार ने इस पर गंभीरता से विचार करना प्रारंभ किया है कि इन बदलते वैश्विक हालात के लिए जिम्मेदार अमेरिकी डालर पर निर्भरता को कैसे कम किया जाए?

इस संदर्भ में आरबीआइ ने एक नई शुरुआत करते हुए यह घोषणा की कि निर्यातक एवं आयातक रुपये में भी व्यापार कर सकेंगे। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना एवं डालर में होने वाली व्यापार निर्भरता को कम करना है। रुपये में होने वाले पारस्परिक लेनदेन के लिए आरबीआइ ने एक प्रणाली विकसित की है। इससे निर्यात और आयात की कीमत और चालान सभी कुछ रुपये में ही होगा।

विश्व की बदलती आर्थिक परिस्थितियों में बहुत से देश न चाहते हुए भी अपना व्यापार डालर में करने को मजबूर हैं। भारत 86 प्रतिशत व्यापार डालर में करता है। भारत के आयात, निर्यात से ज्यादा होने के कारण अधिक डालर की आवश्यकता होती है। अप्रैल से सितंबर 2022 के दौरान भारत का कुल निर्यात 229.05 अरब डालर एवं आयात 378.53 अरब डालर का हुआ। रुपये-डालर की विनिमय दर को बनाए रखने के लिए

वक्त की ज़रूरत है रुपये में व्यापार

अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में अन्य के मुकाबले मज़बूत और स्थिर होगी भारतीय मुद्रा

आरबीआइ 50 अरब डालर से अधिक व्यय कर चुका है। भारत की तरह दुनिया का भी अधिकांश व्यापार डालर में ही होता है। विश्व के सभी देश डालर के सापेक्ष अपनी-अपनी विनिमय दर को स्थिर करने के प्रयासों में लगे हुए हैं। बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने ब्याज की दर को बढ़ा दिया है, जिससे विश्व के धन का प्रवाह अमेरिका की तरफ होने लगा है। इससे डालर और मजबूत होता जा रहा है।

इन परिस्थितियों में डालर के दबदबे को कम करने के लिए भारत सरकार ने सही समय पर सही पहल की है। रुपये में व्यापार करने का फैसला ऐसे समय में आया है, जब दुनिया के अधिकतर देश न सिर्फ मुद्रा भंडार में कमी का सामना कर रहे हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय निपटान में कठिनाइयों से भी जूझ रहे हैं। इन विपरीत परिस्थितियों में भारत की यह व्यवस्था विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव के जोखिमों से भी सुरक्षा प्रदान करेगी। यह उन भारतीय निर्यातकों की समस्या को कम करेगी, जिनका भुगतान युद्ध के कारण अटका हुआ है। यह रूस और ईरान जैसे देश के साथ हमारे व्यापारिक संबंधों को बेहतर बनाने में मददगार होगी, जिन पर अमेरिकी प्रतिबंध है। रुपये में व्यापार से विश्व भर में न सिर्फ इसकी स्वीकृति बढ़ेगी, बल्कि विश्व में भारत का अर्थिक स्तर भी बढ़ेगा।

विदेश मंत्रालय के सार्थक प्रयासों का ही नतीजा है कि अनेक देशों विशेष रूप से श्रीलंका, मालदीव, विभिन्न दक्षिण पूर्व एशियाई देश, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों ने भी रुपये में व्यापार करने में अपनी सहमति व्यक्त की है। भारत के साथ रुपये में व्यापार करने के लिए रूस सहर्ष तैयार है। रुपये-रूबल में व्यापार के बाद रुपया-रियाल एवं रुपया-टका में व्यापार की दिशा में कार्य प्रारंभ हो चुका है। यदि इन सभी देशों को किया जाने वाला भुगतान रुपये में होगा तो इसका सीधा लाभ भारतीय अर्थव्यवस्था को होगा। श्रीलंका की आर्थिक स्थिति ठीक न होने से वह भी भारत के साथ रुपये में व्यापार करने के लिए तैयार है। स्पष्ट है कि आने वाले समय में रुपया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करेगा।

कुछ अर्थशास्त्रियों का मत है कि यह व्यवस्था उन देशों में ही सफल हो पाएगी, जहां आयात और निर्यात लगभग बराबर है। वे यह भी प्रश्न करते हैं कि यह व्यवस्था उन देशों में कैसे लागू होगी, जिन देशों के पास बैलेंस शेष रह जाएगा। भारत सरकार इसके लिए कई क्षेत्रीय समूहों जैसे ब्रिक्स के साथ एक रिजर्व मुद्रा की व्यवस्था बना सकती है, जिससे जुड़े हुए देश पारस्परिक रूप से आपसी मुद्राओं में व्यापार कर सकते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस व्यवस्था के सफल होते ही विश्व का आर्थिक खेल ही बदल जाएगा।

इस प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य किसी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के महत्व को कम करना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपये को बेहतर बनाने की एक शुरुआत करना है। यह समय की मांग भी है कि भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार एक-दूसरे के लिए अधिक खुले विकल्प रखें एवं विभिन्न प्रकार के वित्तीय साधनों के संबंध में रुपये को अधिक उदार बनाएं। इसके लिए आवश्यक है कि रुपये के संदर्भ में एक मजबूत विदेशी मुद्रा बाजार बनाया जाए। बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता के लिए आवश्यकतानुसार सुधार निरंतर जारी रहने चाहिए।

पिछली सदी के नौवें दशक में जब भारत एक बंद अर्थव्यवस्था थी, विदेशी मुद्रा दुर्लभ थी और डालर 'भगवान' था। बदलते समय के साथ रूस एवं चीन ने हमारे समक्ष उदाहरण पेश किया कि डालर के बिना भी अर्थव्यवस्था को चलाया जा सकता है। यह उम्मीद की जानी चाहिए कि भारतीय रुपया अंतरराष्ट्रीय बाजार में अन्य मुद्राओं के मुकाबले मजबूत और स्थिर बनेगा। रुपये को वैश्विक मान्यता दिलाने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार में भी वृद्धि करनी होगी, जिसके लिए भारत को एक मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाना होगा। रुपये में निवेश एवं व्यापार को बढ़ाने से रुपये के मूल्य में भी वृद्धि होगी, जो वैश्विक व्यापार में भारत की भागीदारी के नए आयाम स्थापित करेगी।

'ब्राइडल दुपट्टा' से दुल्हन पर टिकेंगी सबकी निग़ाहें

विंटर सीजन के साथ-साथ वेडिंग सीजन भी शुरू हो जाता है. गर्मियों और सर्दियों की शादियों में अलग-अलग फैशन देखने को मिलता है. जहां गर्मियों में लाइट पेस्टल रंग यूज किया जाता है, वहीं सर्दियों में ब्राउन, रेड, मैरून, एमरॉल्ड ग्रीन, पर्पल जैसे गहरे रंग पसंद बन जाते हैं. दुल्हन के लिए उसका वेडिंग डे सबसे खास होता है और इसलिए वह अपनी वेडिंग ड्रेस ऐसी यूज कर करना चाहती है जिससे वह भीड़ में सबसे हट कर दिखे. दुल्हन का ब्राइडल लहंगा ही सबसे ज्यादा मायने रखता है. ड्रेस जितनी ज्यादा ग्रेसफुल होगी, उतनी ही दुल्हन का लुक शानदार होगा. लहंगे को और भी ग्रेसफुल दिखाने के लिए आजकल स्टाइलिश ब्लाउज, कस्टमाइज आइडल दुपट्टा आदि की डिमांड भी बहुत ज्यादा है.

ब्राइडल लहंगे की लुक बिना ब्राइडल दुपट्टे के अधूरी है और आजकल तो ब्राइडल लहंगे के साथ डबल दुपट्टा कैरी करने का ट्रेंड जोरों पर है. बॉलीवुड सेलिब्रिटी से लेकर सामान्य दुल्हन, सब इस ट्रैंड को फॉलो कर रही हैं. इसके साथ ही अपनी शादी को और भी यादगार बनाने के लिए कस्टमाइज्ड दुपट्टे भी पसंद किए जा रहे हैं.

नाम लिखवाने का ट्रेंड

ब्राइडल दुपट्टे पर दूल्हा-दुल्हन के नाम लिखवाने का ट्रेंड भी इन दिनों खूब चलन में है. इसे खासतौर पर दुल्हनों के लिए कस्टमाइज्ड किया जा रहा है. ब्राइडल दुपट्टे की फ्रंट साइड में खूबसूरत गोल्डन व मल्टी कलर में दूल्हे का नाम सुंदर एम्ब्रायडरी के साथ सजाया जाता है.

पार्टनर के लिए स्पेशल श्लोक

एक्ट्रेस पत्रलेखा ने जो ब्राइडल दुपट्टा लिया था, उसमें अपने होने वाले पति एक्टर राजकुमार राव के लिए बंगाली भाषा में 'अमर पोरन भौरा भालोबाशा, अमी तोमर शो मोर पोन कोरिलम' लिखा था. इसका अर्थ है, 'मैं आपको अपना प्यार से भरा दिल सौंपती हूं.' इसी तरह आप भी अपने पार्टनर के लिए किसी भी भाषा में अपने मन के शब्दों को स्पेशल मैसेज के जरिए लिखवाएं.

तस्वीरों से बनाएं यादगार

ब्राइडल दुपट्टे पर डोली, फेरो या अपनी सगाई व प्री-वेडिंग की तस्वीरें बनवाकर भी आप अपने पार्टनर को नायाब तोहफा दे सकती हैं. ये भी इन दिनों ट्रेंड में है.

लिखवाएं श्लोक

दीपिका पादुकोण दुपट्टे पर श सौभाग्यवती भव: था. जिसका अर्थ सदा सुहागन रहो अलावा शुभ मंत्र 'आयुष्मति भव: लिखवा सकती जिसका अर्थ स्वस्थ दीर्घायु 3 भा ग य शा ली लड़कियां य स्टाइल भी काफ पसंद कर रही हैं.

कंट्रास्ट कलर

कस्टमाइज्ड दुपट्टे के साथ-साथ दुल्हनों में डबल दुपट्टे का क्रेज भी देखने को मिल रहा है. इससे ब्राइडल लुक और आउटफिट काफी खूबसूरत और ग्रेसफुल नजर आता है. आप लहंगे के रंग के साथ मैच करते कंट्रास्ट कलर का चुनाव कर सकती हैं, जैसे रेड लहंगे के साथ ग्रीन या येलो दुपट्टा.

नेट वाला

अगर आप सिल्क के कपड़े पर ज्यादा खर्च नहीं करना चाहती हैं तो इसके लिए आपके पास नेट का भी ऑप्शन है. ये काफी सुंदर लगता है और दुल्हन को एक ग्लैमरस लुक मिलती है. इसका फॉल बहुत ही खूबसूरत होता है. इसके अलावा यह काफी लाइटवेट भी रहता है.

फैमिली के साथ करें बजट प्लानिंग

शादी तय होने के बाद सबसे पहले बात यह होती है कि बजट कितना है. इसका सबसे अच्छा तरीका है कि अपनी और अपने पार्टनर की फैमिली के साथ बैठकर बजट बनाएं कि कहां और कितना खर्च करना है. साथ में कोशिश करें कि समारोह बहुत बड़ा न हो.

▮ शादी पीक सीजन में करने से बचें. पीक सीजन में करना भी है तो उस डेट से बचें, जिस दिन ज्यादा शादियां हैं.

▮ शादी से जुड़ी बुकिंग तीन-चार महीने पहले ही कर लें.

▮ शादी अपने आप में बड़ा आयोजन होता है. बहुत लोगों को जोड़ना होता है. ऐसे लोगों का चयन करें, जो शादी की जिम्मेदारी अच्छे से उठा सकें. शहर में हैं तो वेडिंग प्लानर को जोड़ें.

▮ मेहमानों की लिस्ट छोटी रखें. केवल खास लोगों को बुलाने की कोशिश करें. ऐसा इसलिए क्योंकि मेहमानों के आधार पर ही जगह का प्रबंध किया जाता है. बजट भी कम खर्च होगा.

▮ महंगे कार्ड की जगह हैंडमेड पर्सनल टच वाला सस्ता इनविटेशन कार्ड बनवाएं. वैसे भी कार्ड को अब खास महत्व नहीं देते लोग.

▮ कई बार लोग ऐसी वेन्यू इसलिए भी बुक कर देते हैं, क्योंकि वह फेमस होती है. इसकी जगह गेस्ट को ध्यान में रखकर वेन्यू बुक करें और उसके डेकोरेशन पर थोड़ा ज्यादा खर्च करें.

▮ कुछ लोग मेहंदी, शादी और फिर रिसेप्शन के लिए अलग-अलग वेन्यू तय करते हैं. इससे बजट बढ़ता है. वेन्यू एक ही रखें, सिर्फ थीम बदल दें.

▮ ऑफ सीजन में खरीदारी करें. ब्रांडेड की जगह स्थानीय और अच्छे दुकानदारों को महत्व दें.

▮ डेकोरेशन में महंगे फूलों की जगह कागज या कृत्रिम फूलों से सजावट पर ध्यान दें. ताजा फूल थोड़ी देर बाद ही मुरझाने लगते हैं.

▮ खाने की बर्बादी रोकें. कैटरिंग के समय यह तय करें कि वैरायटी भले ही कम हो, पर क्वालिटी अच्छी हो.

▮ खुद का मेकअप किट सस्ता और अच्छा होता है. मेकअप आर्टिस्ट बुलाएं, लेकिन अपना किट ही यूज करें. इससे प्रोडक्ट का पैसा बचेगा और बाद में उन्हें आप यूज कर सकते हैं.

पहले से ज़्यादा अच्छा बनेगा रिश्ता

वो कहते हैं न प्यार के बिना हर इंसान अधूरा होता है. प्यार हमारी जिंदगी में खुशियां लेकर आता है. शादी के बाद पत्नी अपने पति के साथ ज्यादा समय एक साथ बिताना पसंद करती है. ऐसे में कई बार ऐसा होता है कि जैसे- जैसे रिश्ता पुराना होने लगता है वैसे- वैसे रिश्तों में कड़वाहट आने लगती है. कई बार ऐसा भी होता है कि आपके पति आपको समय तक नहीं देते हैं. कुछ ऐसे टिप्स बताते है जिसकी मदद से आप अपना रिश्ता पहले से भी अच्छा बना पाएंगी. साथ ही इनको अजमाने के बाद आपका पति आपको पहले से ज्यादा समय देगें.

आप भी करें इग्नोर

आप भी अपने पति को कुछ दिनों के लिए इग्नोर कर सकती हैं. कई बार ऐसा होता है कि आपके पति आपको इग्नोर करते रहते है और आप परेशान होकर उन्हें बार- बार कॉल या मैसेज करने लगती है. ऐसे में आपका पति आपसे और भी ज्यादा इरिटेट हो जाते है. ऐसे में मामला और भी खराब हो सकता है. इस हालात में आप कुछ दिनों के लिए अपने पति से बात न करें. ऐसे में कुछ दिनों में ही आपके पति को समझ में आ जाएंगा और वह आपसे खुद बात करने आएंगे.

फेवरेट प्लेस पर जाएं

आप अपने पति के साथ समय व्यक्त करना चाहती है तो आप अपने पति को उनके फेवरेट प्लेस पर ले जाएं. ऐसा करने से आपके पति को अच्छा लगेगा और आप साथ में समय व्यक्त भी कर पाएंगे. पति के साथ आप रोमांटिक डेट का भी प्लान कर सकती है. उनकी फेवरेट मूवी आप उन्हें दिखाएं.

अगर देते हैं उलटा जवाब

अगर आप अपने पति से बात करने जाती है तो आपके पति आपको डांट देते है या फिर आपको इग्नोर कर रहे हैं तो, आप उन्हें मायके जाने की बात कह सकती है. फिर शायद आपको पति समझ जाएं की आपको गुस्सा आ रहा है. ऐसे में आपके पति रास्ते पर आ जाएंगे और तुरंत आपको समय देना शुरू कर देंगे.

इमोशनल होकर कहें दिल की बात

आप अपने पति से अपनी दिल की बात इमोशनल तरीके से कहे. ऐसा करने से आपके पति पिघल जाएंगे और आपसे बात करना शुरु कर देगे. कई बार ऐसा होता है कि हम कुछ ज्यादा ही सोच लेते है असल में आपके पति के पास ऑफिस का काम ज्यादा हो गया होगा इसके कारण वह आपको समय नहीं दे रहे होंगे. ऐसे में आप पहले अपने पति से बात करें. बात करते समय आपको गुस्सा नहीं होना है, शांत होकर बात करना है.

'जेंडर स्टीरियोटाइप' सोच से रखें दूर

भेदभाव की भावना बच्चों में नहीं लाना

जेंडर इक्वैलिटी की बातें काफी की जाती हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आप इस सोच को बदलना चाहते हैं तो बेटियों के मन से पहले जेंटर स्टीरियोटाइप सोच को पनपने से रोकना बहुत जरूरी है. जेंडर स्टीरियोटाइपिंग किसी व्यक्ति के बारे में उसके लिंग के आधार पर बनाई गई धारणा है, जो समाज में उसकी विशेषताओं, व्यवहारों और जिम्मेदारियों को लिंग के अनुसार परिभाषित करती है. बचपन में बच्चों के मन में किसी तरह का भेदभाव जन्म नहीं लेता और वे बिना किसी पूर्वाग्रह के एक दूसरे के साथ खेलते हैं. जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं उनके आसपास की चीजें और लोगों के जेंडर स्टीरियोटाइप सोच का असर उन पर धीरे धीरे पड़ने लगता है. अगर ग्रोइंग एज के दौरान ही उनमें बराबरी की बात की जाए और बिहेव सिखाया जाए तो वे बड़े होकर भी भेदभाव से बचे रहते हैं.

खिलौनों में न सिखाएं भेदभाव

यह जरूरी नहीं कि लड़का है तो उसे गन या गाड़ियों से खेलना चाहिए और लड़कियों को गुड़िया से. अगर आप उनके मन में इस तरह की बात पैदा कर रहे हैं तो आप बचपन से ही उनमें भेदभाव की भावना को जन्म दे रहे हैं. बच्चों को हर तरह के खिलौने से खेलने का मौका देना चाहिए.

इंस्पायरिंग लोगों से मिलाएं

अगर बच्चे ये सोचते हैं कि फायर मैन एक आदमी ही हो सकता है तो आप आसपास के फायर डिपार्टमेंट की उन महिला ऑफिसर से उन्हें मिलाएं जो आग लगने पर लोगों की जान बचाने का काम करती है. ये गर्ल चाइल्ड के लिए इंस्पायरिंग होगा और बॉय चाइल्ड पुरानी सोच में दबे नहीं रहेंगे.

देखें और उस पर चर्चा करें

किसी सिनेमा या प्रोग्राम को देखने के बाद आप अपने बच्चों से उसके मेन कैरेक्टर के बारे में पूछ सकते हैं. मसलन, अगर आप किसी सुपर हीरो की फिल्म देखे हैं तो इस विषय पर आइडिया सोचें कि अगर इसकी लीड एक्टर लेडी होती तो इसकी स्टोरी क्या हो सकती है. ऐसा करने से बच्चों में स्टीरियोटाइप की भावना नहीं पैदा होगी.

बोलने से पहले सोचें

अगर आप किसी महिला की बढ़ाई कर रहे हैं तो बेहतर होगा कि आप उसकी खूबसूरती पर चर्चा करने से अधिक उसके अपीयरेंस, लोगों से मिलने का तरीका, उसके बिहेव, उसके कॉन्फिडेंस पर बात करें.

घर में बनाएं माहौल

अगर आपके घर में महिलाएं हीं घर का काम करती हैं तो आपको अपने घर के माहौल में बदलाव लाना चाहिए. इसके लिए आप अपनी बेटी को घर के काम में हर वक्त ना लगाकर अपने बेटों को भी घर का काम कराएं. जबकि बेटी को बाहर या अधिक मेहनत वाला काम भी करायें.

आशियाने को दीजिए स्मार्ट लुक

हर किसी की चाहत होती है कि उनका घर बेहद खूबसूरत नजर आए. लोग अपने घर को डेकॉर करने के लिए कितने पैसे खर्च करते हैं तो वहीं कई लोग कम बजट के कारण अपने घर का मेकओवर नहीं कर पाते हैं. जानते है घर को सजाने के लिए बजट फ्रेंडली आइडियाज,जिससे आप अपने आशियाने को स्मार्ट लुक दे सकते हैं.

बेडरूम का लुक बदलें

चाहें तो आप बेड के चारो तरफ कैनोपी लगा दें और इसे छोटे-छोटे फेयरी लाइट्स से सजा दें. आप बेडरूम के पर्दो का कलर या फैब्रीक भी चेंज कर सकते हैं. ऐसा करने से आपके बेडरूम को न्यू लुक मिल सकता है.

वॉल आर्ट का चुनाव करें

आजकल घर डेकॉर करने के लिए वॉल आर्ट ट्रेंड में है. अगर आपको खुद पेंटिंग करना पसंद हो, तो खुद की पेंटिंग को फ्रेम करवा कर घर के दीवारों पर लगा सकते हैं. इन दिनों मार्केट में भी वॉल आर्ट सस्ते मूल्यों में उपलब्ध हैं, आप घर सजाने के लिए इन्हें भी खरीद सकते हैं.

पुराने फर्नीचर

अगर आपके पस नए फर्नीचर खरीदने के लिए बजट नहीं हैं, तो आप पुराने फर्निचर से भी घर को नया लुक दे सकते हैं. इसके लिए आप पुराने फर्निचर पर नए पेंट लगवा सकते हैं, जिससे इनका लुक पूरी तरह बदल जाएगा और घर की शोभा भी बढ़ेगी.

मिरर से दें मॉडर्न लुक

घर का मेकओवर करने के लिए आप मिरर का चुनाव कर सकते हैं. इसके लिए आप ब्राइट या लाइट कलर के स्टाइलिश मिरर को लिविंग एरिया में लगा सकते हैं. चाहें तो आप मिरर वालें वार्डरोब भी ले सकते हैं. इसमें आप सामान रख सकते हैं और घर के डेकॉर में भी काम आ सकता है.

सोफे के कुशन्स को बदलें

सर्दियों के मौसम ने दस्तक दे दी है, ऐसे में आप सोफे के लिए फर वाले कुशन्स ले सकते हैं. इससे आपके सोफे को नया लुक मिलेगा और घर की खूबसूरती बढ़ेगी.

लाइट्स से घर को दें कूल लुक

आप अपने घर के लाइट्स को चेंज कर नया लुक दे सकते हैं. इसके लिए आप घर में हैंगिग लाइट्स का यूज कर सकते हैं. मार्केट में एक से बढ़कर एक लैम्पस हैंगिग लाइट्स मौजूद हैं, ये आपके आशियाने की खूबसूरती बढ़ा देंगे.

▮ क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियम ▮ नहीं करना पड़ेगा मुसीबत का सामना

क्रेडिट कार्ड का यूज लोग कई चीजों के लिए करते हैं. इसके यूज से कई फायदे भी मिलते हैं जैसे डिस्काउंट, कैशबैक और ऑनलाइन शॉपिंग पर रिवार्ड प्वाइंट्स आदि. लेकिन अगर आप क्रेडिट कार्ड का यूज करते हैं तो कुछ नियमों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए. इससे आप किसी प्रकार की धोखाधड़ी से आप बच सकते हैं.

लिमिट में करें खर्च

अगर आप क्रेडिट कार्ड की लिमिट से ज्यादा खर्च करते हैं तो बैंक आपसे चार्ज यानी एक्स्ट्रा पैसे वसूलता है. क्रेडिट कार्ड के यूजर्स का बैकग्राउंड भी चेक होता है, इसके बाद ही लिमिट को तय किया जाता है. आपको कभी भी क्रेडिट कार्ड लिमिट को पूरा यूज नहीं करना चाहिए. अगर आप क्रेडिट कार्ड की लिमिट का 30% ही खर्च करते हैं तो उससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता. लेकिन आपको अपने सभी क्रेडिट कार्ड से किए हुए ट्रांजैक्शन को ध्यान में रखना चाहिए,क्योंकि आपका बैंक नियमों के अनुसार क्रेडिट कार्ड के स्टेटमेंट की जांच करता रहता है.

ईएमआई

नियमों के अनुसार आप क्रेडिट कार्ड से ईएमआई पर कोई भी सामान ले सकते हैं और फिर किश्तों में बकाया राशि का भुगतान कर सकते हैं. लेकिन आपको अपने कार्ड से जुड़ी हुई ईएमआई की

जानकारी होनी चाहिए ताकि आपके कार्ड की लिमिट ब्लॉक होने से बच जाए. क्योंकि आप जैसे ही खरीदे हुए सामान का भुगतान ईएमआई से करते हैं, तो इस ब्लाक की लिमिट को कम कर दिया जाता है. अगर आप किसी भी वजह से ईएमआई से जुड़ी हुई कोई भी गलती करते हैं तो आपको पैसे चार्ज के रूप में भरने पड़ते हैं.

जब करना हो बंद

अगर आप अपना क्रेडिट कार्ड बंद करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको 7 दिनों का समय मिलता है, जिसमें आपको अकाउंट बंद करने के लिए अप्लाई करना होता है. लेकिन अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो नियमों के अनुसार 7 दिनों के बाद आपको चार्ज देना पड़ता है. आप बैंक के हेल्पलाइन नंबर पर, ईमेल से या वेबसाइट से भी अप्लाई कर सकते हैं.

एक नज़र

पशुपालन विभाग में दो वर्ष से निदेशक नहीं

छह वर्ष बाद खुला पदोन्नति का रास्ता

हिलव्यू समाचार
जयपुर। बीते दो बरसों से भगवान भरोसे चल रहे पशुपालन विभाग के कार्मिकों को छह वर्ष बाद पदोन्नति का लाभ तो मिलने जा रहा है। सरकार ने 22 नवंबर को पदोन्नति डीपीसी की तारीख दी है। कर्मचारियों का कहना है कि पशुपालन विभाग की ओर न तो मंत्री का ध्यान है और ना ही सरकार कोई ध्यान दे रही। विभाग में बीते छह वर्ष से पदोन्नति नहीं होने से बिना पदोन्नति के ही कार्मिक रिटायर हो रहे हैं। समयबद्ध तरीके से पदोन्नति नहीं होने से विभाग में रोजगार के नए मौके भी नहीं मिल पा रहे हैं। विभाग में पशुधन सहायक से पशु चिकित्सा सहायक के पदों पर पदोन्नति नहीं हो सकी है। पशुधन सहायक से पशु चिकित्सा सहायक के बैकलॉग की पदोन्नति भी नहीं हुई। पशु चिकित्सा सहायक से सहायक सूचना अधिकारी के पदों पर पदोन्नति नहीं हुई है। इसी श्रेणी में बैकलॉग की पदोन्नति भी नहीं हुई है।

नियमों की पालना नहीं

पशुपालन विभाग के निदेशक पद पर सेवा नियमों में पशुपालन विभाग से पदोन्नत अधिकारी या फिर आईएएस को लगाने का प्रावधान है, लेकिन अतिरिक्त निदेशक से निदेशक पद पर पिछले 6 वर्षों से पदोन्नति नहीं हो सकी है। कार्मिक विभाग हर साल समयबद्ध तरीके से पदोन्नति करने के लिए विभागों को निर्देश देता है, लेकिन पशुपालन विभाग में कार्मिक विभाग के नियमों की पालना नहीं हो पा रही है।

छह वर्ष बाद हजारों स्टूडेंट्स को मिली सपनों की लाइब्रेरी

लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने साधा हाईटेक निशाना

हिलव्यू समाचार
जयपुर। लंबे समय के इंतजार के बाद राजस्थान यूनिवर्सिटी में बनी सेंट्रल लाइब्रेरी का विधिवत उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को किया।

सीएम ने लगभग 12 करोड़ की लागत से तैयार नवनिर्मित बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय भवन परिसर में 13.22 लाख रुपए की लागत से स्थापित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राजस्थान विश्वविद्यालय में 23.32 लाख रुपए की लागत से बने तीरंदाजी खेल मैदान का लोकार्पण किया। तीरंदाजी मैदान में सीएम ने तीरंदाजी में भी हाथ आजमाया। जहां, सीएम पहला निशाना चूक गए, लेकिन दूसरा बुल्स आई रहा। उद्घाटन समारोह में सीएम ने छात्रों का उत्साह देख अपने बचपन को याद किया। इस दौरान छात्र शक्ति को आकर्षित करने के लिए सीएम ने छात्र संघ चुनाव शुरू कराने से लेकर युवाओं को नौकरी दिए जाने की बातें की।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि बचपन से ही मैं अंग्रेजी के खिलाफ था। स्कूल टाइम पर सोचते थे कि अंग्रेजी और संस्कृत हमारे क्या काम आएगी और चप्पल खाते थे। उस वक्त दक्षिण के अलावा सभी हिंदी राज्यों में अंग्रेजी का विरोध था। पिछले 40 सालों मैं समझ गया हूं की अंग्रेजी इंटरनेशनल भाषा है। इसलिए हिंदी के साथ इंग्लिश सीखना भी जरूरी है। इसी सोच के साथ हमने राजस्थान के गांव-गांव में इंग्लिश मीडियम स्कूल खोले हैं।

पॉजिटिव सोच रखने वाला ही बढ़ता है आगे

सेंट्रल लाइब्रेरी का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में निर्मल चौधरी को लकी बताते हुए कहा कि वो पहली बार चुनाव लड़े और जीत गए. लेकिन सीएम खुद 8वीं कक्षा में पहली बार चुनाव लड़े थे, तो 4 वोट से हार गए। यूनिवर्सिटी में पहला चुनाव लड़ा तो 400 वोट से हार गए। विधानसभा में जो पहला चुनाव लड़ा, वो 4000 वोट से हार गए। इसके बाद भी उन्होंने पॉजिटिव सोच रखी। इसी का नतीजा निकला कि वो तीन बार केंद्रीय मंत्री रहे। तीन बार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बने। तीन बार एआईसीसी के महामंत्री और तीन बार ही मुख्यमंत्री भी बने।

मुख्यमंत्री गहलोत से की गई ये मांगें

इससे पहले मंच से राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति राजीव जैन ने शिक्षकों की कमी दूर करने, यूनिवर्सिटी के जर्जर भवनों की मरम्मत के लिए फंड उपलब्ध कराने और सिंथेटिक टर्फ के साथ खेल मैदान के लिए 15 करोड़ की मांग की। वहीं, राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी ने सीएम के समक्ष ओबीसी आरक्षण की विसंगतियों को दूर करने, विश्वविद्यालय में कर्मचारी और प्रोफेसर के रिक्त पदों पर भर्ती करने, हर साल बढ़ने वाली 10% फीस वृद्धि पर रोक लगाने, प्रदेश के कोचिंग सेंटर पर वसूली जाने वाली मनमानी फीस पर नकेल कसने और विश्वविद्यालय में एक और नए स्पोर्ट्स ग्राउंड की मांग की।

उच्च शिक्षा मंत्री ने भी किया संबोधित

कार्यक्रम में मौजूद उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव ने कहा कि कोचिंग सेंटर में मनमानी फीस वसूलने के लिए अंब्रेला कानून बनाया जा रहा है। इस मौके पर सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव, राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा, राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति राजीव जैन, विधायक एवं सिंडिकेट सदस्य अमीन कागजी भी मौजूद रहे।

छात्र प्राइवेट सेक्टर में भी आगे बढ़ें

कॉलेजों में लड़को से अधिक लड़कियों की संख्या मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि 1998 से पहले छात्र मजबूरन कर्नाटक, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करते थे। जब पहली बार वो सीएम बनें तो उन्होंने प्राइवेट सेक्टर को राजस्थान में अनुमति दी। उस वक्त राजस्थान में 6 विश्वविद्यालय थे, आज 79 विश्वविद्यालय है। आज प्रदेश में पढ़ाई का माहौल बन गया है। आईआईटी, आईआईएम, लॉ, कृषि विश्वविद्यालय, यहां तक कि आदिवासियों के लिए यूनिवर्सिटी तक खुल चुकी है। यही नहीं, आज कॉलेज में लड़कों से ज्यादा लड़कियों की संख्या हो गई है। उन्होंने कहा कि पहले भी छात्र संघ चुनाव जब बंद हुए थे, तब उन्हीं ने शुरू कराए।

पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में बोले सीएम अशोक गहलोत

विशिष्ट व्यंजनों का भी हो प्रचार-प्रचार

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पर्यटन का क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। इससे बड़े स्तर पर रोजगार सृजित होते हैं, वहीं इससे प्राप्त होने वाली आय से राज्य के विकास को गति मिलती है। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि राजस्थान का प्रत्येक क्षेत्र अपनी अनूठी संस्कृति लिए हुए है। विभिन्न माध्यमों से राजस्थान की लोक कलाओं और संस्कृति के साथ-साथ यहां के विशिष्ट व्यंजनों का व्यापक स्तर पर प्रचार होना चाहिए ताकि अधिक से अधिक पर्यटक इनका अनुभव लेने राजस्थान आएं।

जल्द होगा ढोला मारू टूरिस्ट कॉम्पलेक्स का निर्माण

बैठक में बताया गया कि जैसलमेर में ढोला-मारू टूरिस्ट कॉम्पलेक्स के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार कर 865 एकड़ भूमि आवंटित कर दी गई है। जल्द ही टूरिस्ट कॉम्पलेक्स का निर्माण पूरा किया जाएगा।

टाउन हॉल बनेगा म्यूजियम: सीएम ने कहा कि जयपुर के टाउन हॉल को एक म्यूजियम के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 96 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है।

अग्निपथ पर पूर्व राज्यपाल की मोदी सरकार को चेतावनी, बोले... तुरंत वापस लो स्कीम, ये देश के लिए बड़ा खतरा

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल बोले... कुछ नहीं है गुजरात मॉडल

■ पत्रकार वार्ता में कहा-एमएसपी लागू नहीं हुई तो फिर छिड़ेगी जंग

हिलव्यू समाचार
जयपुर। मेघालय के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने एक बार फिर 'अग्निपथ' योजना और किसानों के मामले में केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर यहां आए मलिक ने कहा कि केंद्र सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर किसानों से किए अपने वादे को निभाना चाहिए। कृषि जिंसों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है, अगर इसे लागू नहीं किया गया तो फिर आंदोलन छिड़ेगा और देश में अफरा तफरी मचेगी। इससे बचा जाना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने भाजपा के बहुप्रचारित 'गुजरात मॉडल' पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'वहां कहीं कोई स्वर्ग नहीं आया है।' मलिक ने अल्पकालिक अवधि के लिए संविदा नियुक्ति के आधार पर सेनाओं में युवाओं की भर्ती की केंद्र सरकार की 'अग्निपथ' योजना को घातक बताते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की। मलिक ने कहा कि इनको अंदाज नहीं है कि ये कितना नुकसान देश का कर रहे हैं। अग्निपथ बहुत ही घातक योजना है। केंद्र सरकार को इसे तुरंत वापस लेना चाहिए और फौज की पेंशन आदि सुविधाओं वाली पूर्णकालिक नौकरी वापस लानी चाहिए।

मोदी पहले किसान परस्त, अब बदले

सत्यपाल मलिक ने कहा कि गुजरात तो मैं घूमा हूं। मैं नरेंद्र मोदी के चुनाव में गया था। मैं इनका प्रशंसक था। जब ये गुजरात में थे तो ये किसानपरस्त थे। उन्होंने एमएसपी लागू करने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को चिट्ठी लिखी थी। मलिक ने कहा कि लोहिया कहते थे कि दिल्ली बहुत खराब जगह है। यहां आकर आदमी बदल जाता है तो ये दिल्ली आकर बदल गए पता नहीं क्या हुआ है और उनकी किसान परस्ती खत्म हो गई। मेरे से तो इनसे जितनी भी मुलाकात हुईं, वह किसानों के मुद्दे पर लड़ाई के साथ खत्म हुई।

गुजरात में भी गरीबी-बेरोजगारी

मलिक ने कहा कि गुजरात मॉडल कुछ नहीं है। वही गरीबी है। उसी तरह के गांव हैं। उसी तरह का किसानों को कष्ट है। बेरोजगारी है, चिकित्सा सुविधाएं नहीं है। स्कूल भी अच्छे नहीं हैं। गुजरात में चुनाव के बारे में पूछे जाने पर मलिक ने कहा कि गुजरात में तो नगरपालिका चुनाव भी सांप्रदायिक करके जीतते रहे हैं। इस बार ऐसा नहीं है।

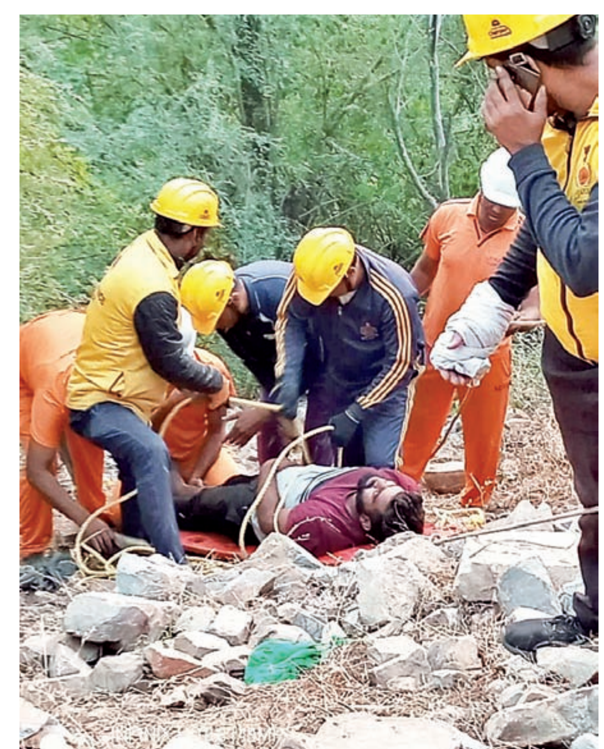

तेज़ रफ्तार के चलते हुआ हादसा

नाहरगढ़ पहाड़ी से खाई में गिरी कार युवक की मौत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। नाहरगढ़ पहाड़ी से तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी। कार में सवार पांच लोगों में से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, चार युवक घायल हो गए। उनका एसएमएस ट्रॉमा सेंटर में इलाज जारी है। सभी युवक कोटपूतली के हैं, जो देर रात नाहरगढ़ घूमकर लौटते समय हादसे के शिकार हुए। घटना बुधवार तड़के की है। कार के खाई में गिरने की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। सुबह करीब 3.15 बजे सिविल डिफेन्स को घटना की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस, सिविल डिफेन्स और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान क्षतिग्रस्तकार में फंसे एक युवक को बारह निकाला। वहीं चार अन्य के अलग अलग जगह पड़े मिले।

हादसे में जयपुर के देशराज (28) की मौत हो गई। वहीं, कोटपुतली के रहने वाले दिनेश जाट (25), विक्रम कुमावत (22), संजय जाट (30) और यतेन्द्र आर्य (35) गंभीर अवस्था में मिले। रेस्क्यू टीम ने सभी को रस्सियों के सहारे खाई से बाहर निकाला। रेस्क्यू के बाद गंभीर घायलों को सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। मृतक देशराज मीणा घाट गेट स्थित फायर स्टेशन पर फायरमैन का काम करता था।

ओबीसी आरक्षण नियमों में संशोधन से जुड़ा मामला

पूर्व सैनिकों के समर्थन में उतरे करणी सेना और अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ

हिलव्यू समाचार
जयपुर। ओबीसी आरक्षण नियमों को लेकर एक ओर ओबीसी वर्ग से जुड़े नेता नियमों में संशोधन की मांग कर रहे हैं। इस मांग के विरोध में पूर्व सैनिकों के समर्थन में अब करणी सेना और अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ मैदान में आ गए हैं। श्रीराजपूत करणी सेना ने पूर्व सैनिकों के आरक्षण से किसी प्रकार की छेड़छाड़ करने पर आंदोलन के लिए चेताते हुए कहा कि कुछ नेता अपनी डूबती साख बचाने के लिए पूर्व सैनिकों के आरक्षण पर बयानबाजी करके अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास कर रहे हैं। राजधानी जयपुर में करणी सेना और अन्तराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ ने प्रेसवार्ता में बताया कि कांग्रेस नेता हरीश चौधरी और आरएलपी के हनुमान बेनीवाल सिर्फ अपने समाज के नेता बनने के लिए ऐसी बातें कर रहे हैं। सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी और अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के पंकज ठोई ने कहा कि पूर्व सैनिकों के लिए 17 अप्रैल, 2018 से पहले की आरक्षण व्यवस्था ही लागू की जाए।

दोनों ने संयुक्त रूप से कहा कि पूर्व सैनिकों को दिए आरक्षण में किसी भी प्रकार के फेरबदल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोनों ने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि राज्य में कर्पूरी आयोग की सिफारिश लागू किया जाए। राजस्थान सरकार भी ओबीसी आरक्षण को बिहार की तर्ज पर जातियों में विभाजित कर लागू करे।

नियमों में यह हुआ था बदलाव

पूर्व मंत्री हरीश चौधरी का आरोप है कि प्रदेश में 17 अप्रैल, 2018 को तत्कालीन सरकार ने पूर्व सैनिकों को देय आरक्षण के नियमों में संशोधन किया था। इसके तहत पूर्व सैनिकों को राज्य सेवा में पांच, अधीनस्थ सेवा में 12.5 व चतुर्थ श्रेणी में पंद्रह फीसदी आरक्षण प्राप्त हुए। इस नियम में संशोधन कर इस आरक्षण को क्षैतिज मानना शुरू कर उन्हें अपने-अपने वर्ग में समायोजित करने का नियम लागू किया गया। इस नियम के लागू होने से ओबीसी वर्ग में पुरुष वर्ग के अधिकांश पद पूर्व सैनिकों के खाते में जा रहे हैं। इस कारण युवाओं के लिए पहले से बेहद कम नौकरी के अवसर सीमित हो गए। कुछ एक भर्ती में ओबीसी वर्ग में पुरुषों के आरक्षित सभी पदों पर पूर्व सैनिकों की भर्ती का भी मसला है।

यह चाहते हैं बदलाव: ओबीसी से जुड़े लोगों का कहना है कि पूर्व सैनिकों को यदि ओबीसी में आरक्षण दिया ही जाना है तो ओबीसी के कुल पद का 12.5 फीसदी ही दिया जाए न कि कुल पदों का 12.5 फीसदी। इस बदलाव को लागू करवाने के लिए ओबीसी समुदाय लामबंद हो रहा है। पूर्व राजस्व मंत्री हरीश चौधरी इस नियम के विरोध में अलग-अलग जिलों में तीन बड़े सम्मेलन कर चुके हैं। सरकार के अलग-अलग मंत्रियों से मिलकर इस मसले को कैबिनेट में रखने की मांग कर रहे हैं। यहां तक उन्होंने मुख्यमंत्री पर सीधा भी आरोप लगाया है कि पिछले दिनों हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को रखने की बात कहने के बावजूद इस पर बैठक में चर्चा नहीं की गई। पूर्व सैनिकों का कहना है कि नए नियमों से किसी वर्ग को नुकसान नहीं हो रहा, जिन पदों पर भर्तियां अधिक हुई है उनमे पूर्व भर्तियों का बैकलॉक पूरा हुआ है।

खनन कार्य में सुरक्षा मानकों की पालना के आदेश

हिलव्यू समाचार
जयपुर। माइंस विभाग ने प्रदेश में खान सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों की पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी। पेट्रोलियम एवं पीएचईडी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा कि विभाग के अधीक्षण खनि अभियंता, खनि अभियंता, सहायक खनि अभियंता अपने क्षेत्राधिकार के खनन क्षेत्रों में खनन पट्टों/क्वारी लाइसेंस क्षेत्रों का निरीक्षण कर खनन सुरक्षा नियमों, प्रावधानों व सिलिकोसिस आदि बीमारी से बचाव के लिए स्वास्थ्य मानकों की पालना सुनिश्चित करवाएंगे। डॉ. अग्रवाल ने माइंस विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्देश दिए।

उदयपुर में जी-20 शेरपा बैठक की तैयारियां ज़ोरों पर, 5 से 7 दिसंबर को होगी बैठक

दुल्हन की तरह सजाई जा रही है झीलों की नगरी उदयपुर

हिलव्यू समाचार
उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर एक बार फिर विश्व पटल पर अपनी विशेष पहचान बनाने जा रही है। भारत की अध्यक्षता में पहली बार होने वाली जी-20 शिखर सम्मेलन की शेरपा बैठक 5 से 7 दिसंबर तक उदयपुर में होगी। इसके लिए उदयपुर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। एयरपोर्ट से लेकर बैठक आयोजन स्थल, प्रवेश द्वारों और शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक सड़कों के सुदृढ़ीकरण तथा सौंदर्यीकरण कार्यों को देखने पर लेकसिटी दुल्हन की तरह सजी हुई प्रतीत हो रही है। सड़कों की मरम्मत, सौंदर्यीकरण, झीलों एवं हेरिटेज साइट्स की सफाई आदि का काम तेजी से किया जा रहा है।

मेवाड़ी कला-संस्कृति

शेरपा बैठक के सफल आयोजन के लिए इन दिनों जिला प्रशासन और समस्त संबंधित विभाग जोर-शोर से तैयारी कर रहे हैं। बैठक दौरान एक ओर जहां विदेशी मेहमानों की आवभगत के लिए तैयारियां की जा रही हैं, वहीं शहर के समस्त चौराहों, सड़कों और दीवारों को आकर्षक ढंग से रंग-रोगन कर सजाया-संवारा जा रहा है। शहर के शास्त्री सर्कल मार्ग पर मेवाड़ी कला-संस्कृति के चित्रों से सजावट की जा रही है।

एक नज़र

बैंक खुलते ही दो हथियारबंद लुटेरों ने बोला धावा

बैंक में बंदूक की नोंक पर दिनदहाड़े डाका

हिलव्यू समाचार
पाली। जिले में बंदूक की नोंक पर बैंक से लाखों रुपए की नकदी लूटने का मामला सामने आया है। जिले के जाडन गांव में एसबीआई बैंक की ब्रांच में लुटेरों ने पिस्तौल दिखाकर लाखों रुपए की लूट की वारदात को अंजाम दिया है।

बैंक खुलने के साथ ही दो हथियारबंद लुटेरे बैंक घुसे और कैश काउंटर के पास पहुंचकर बंदूक की नोंक पर तीन लाख की नकदी से भरा बैग लेकर महज 50 सेकंड में फरार हो गए। दोनों आरोपियों ने चेहरा नकाब से ढक रखा था और ऊपर से दोनों ने हेलमेट भी पहन रखा था। घटना के बाद दोनों लुटेरे बाइक पर सवार होकर भाग गए। पूरी वारदात का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बैंक में हेलमेट पहने दो बदमाश अंदर घुसते ही जोर-जोर से चिल्लाने लगे और हथियार लेकर सभी कर्मचारियों को पीछे हटने की धमकी देने लगे। वहीं दोनों में से एक के पास पिस्टल थी, जबकि दूसरे के पास कोई दूसरा धारदार हथियार था। लुटेरों ने बैंक में बेखौफ होकर कर्मचारियों को धमकाया। इस दौरान बैंक खुला ही था और वहां केवल 5 ही कर्मचारी मौजूद थे।

बैंक में घुसते ही कर्मचारियों को धमकाया

घटना के मुताबिक बैंक के कर्मचारियों ने बताया कि बदमाशों ने घुसते ही कैश काउंटर पर मौजूद कर्मचारी को धमकाते हुए पूछा कि कैश कहां रखा है। उन्हें टेबल के नीचे रखा एक बैग नजर में आ गया। इसमें करीब 3 लाख रुपए बताए जा रहे हैं। बदमाशों ने बंदूक दिखाते हुए वो बैग ले लिया। घटना के सीसीटीवी वीडियो में एक बदमाश पिस्टल लहराते हुए भी दिखाई दे रहा है, वहीं बैंक में घुसते ही बदमाशों ने बैंक के फोन भी टेबल पर रखवा लिए जिससे पुलिस को घटना की भनक तक नहीं लगी।

हजरत अली मर्डर केस का खुलासा, तीन गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
ब्यावर। कांग्रेस सेवादल जिला सचिव हजरत अली की हत्या मामले में सिटी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब पकड़े गए आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेगी।

सहायक पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने 3 नवंबर की रात को घर में घुसकर हजरत अली की गोली मारकर की हत्या कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईपीएस मनीष सिंह चौधरी के निर्देशन पर सीआई सुरेंद्र सिंह जोधा ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया।

रुपए और जमीनी विवाद में किया था मर्डर

आरोपियों की तलाश में पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों सहित दूसरे जिलों में भी दबिश दी। पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए स्पेशल सेल की भी मदद ली। आखिरकार जांच में जुटी पुलिस को आरोपियों का पता लगा ही लिया। पुलिस ने आरोपी विकास नागौरा, दाऊ सिंह उर्फ सेठी और विक्रम सिंह उर्फ विक्की को डीडवाना से गिरफ्तार किया। सिटी थाना पुलिस आरोपियों को पकड़ कर ब्यावर लाई।

सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव-2022

नामांकन से पहले जनसभा कर किया शक्ति प्रदर्शन

■ कांग्रेस और भाजपा सहित 12 उम्मीदवारों ने दाखिल किए पर्चे

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सरदारशहर उपचुनाव में नामांकन के अंतिम दिन कांग्रेस प्रत्याशी अनिल कुमार शर्मा और रालोपा सुभाषचद्र मूंड सहित नौ प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए। कांग्रेस प्रत्याशी शर्मा और रालोपा के मूंड ने नामांकन से पहले बड़ी जनसभा करके शक्ति प्रदर्शन भी किया। कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य दिग्गज नेता पहुंचे। उधर, रालोपा की तरफ से सांसद हनुमान बेनीवाल ने जनसभा को संबोधित किया। उपचुनाव के लिए नामांकन के आखिरी दिन तक कुल 12 उम्मीदवारों ने 14 नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन की जांच शुक्रवार को होगी और नाम वापसी सोमवार को है। इसके बाद ही चुनाव में मुकाबले को लेकर तस्वीर साफ हो सकेंगे।

■ आज होगी नामांकन की जांच सोमवार को तस्वीर होगी साफ

कांग्रेस और भाजपा में सीधा मुकाबला

पहले इस सीट पर कांग्रेस- भाजपा के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा था, लेकिन रालोपा प्रत्याशी के मैदान में आने से अब मामला त्रिकोणीय संघर्ष की तरफ जाता दिखाई दे रहा। रालोपा ने यहां जाट मतदाताओं के भरोसा मूंड को मैदान में उतारा है। भाजपा ने पूर्व विधायक अशोक पिंचा को चुनाव मैदान में उतारा गया है। सरदारशहर सीट का राजनीतिक इतिहास कांग्रेस के दबदबे वाला रहा है। कांग्रेस के दिवंगत विधायक भंवरलाल शर्मा यहां से 7बार चुनाव जीत चुके हैं।

कांग्रेस: स्टार प्रचारकों की सूची में माकन भी

चुनाव प्रचार के लिए भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी चालीस स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इसी सूची में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ प्रदेश प्रभारी अजय माकन के नाम शामिल है। माकन ने हाल ही में राजस्थान प्रभारी के तौर पर काम नहीं करने की मंशा जताई है। इसे देखते हुए उनका प्रचारकों की सूची में आना अलग तरह का संदेश दे रहा है।

आयोग की कड़ी निगरानी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश की सरदारशहर जिला चूरू विधानसभा के भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव पर निगरानी के लिए 3 पर्यवेक्षकों को नियोजित किया है। उन्होंने बताया कि सामान्य पर्यवेक्षक भारतीय प्रशासनिक सेवा की डॉ. लक्षमिशा. जी, व्यय पर्यवेक्षक आईआरएस अधिकारी अश्विनी कुमार सिंघल एवं पुलिस पर्यवेक्षक भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बंदी गंगाधर ने चूरू पहुंचकर निर्वाचन गतिविधियों का पर्यवेक्षण शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा चुनाव संबंधी किसी भी शिकायत या सूचना के लिए उनसे संपर्क किया जा सकता है।

जनसुनवाई में आए 153 प्रकरण

ग़रीब को भेजा 33 हज़ार का नोटिस

जयपुर। एक ओर सरकार गरीबों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है, वहीं गुरुवार को राजधानी में आयोजित जनसुनवाई में जमवारामगढ़ निवासी रमेश कुमार गुर्जर की पीड़ा ने कलेक्टर को भी एक बार सोचने पर मजबूर कर दिया। रमेश कुमार के घर का कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी न होने के बाद भी उन्हें 33 हजार का नोटिस भेज दिया गया, जिसकी पीड़ा से वे निकल नही पा रहे। साथ ही खादय सुरक्षा से नाम हटाने से उन्हें राशन की उपलब्धता भी नहीं हो रही। जनसुनवाई में 153 प्रकरणों का निस्तारण हुआ। जमवारामगढ़ के रमेश गुर्जर ने बताया कि उसके परिवार में कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी नहीं है। इसके बावजूद उपखंड अधिकारी ने उनके घर 1230 किलो गेहूं की वसूली का 33 हजार रुपए का नोटिस भेज दिया।

दोषी के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई: रमेश गुर्जर ने आरोप लगाया कि मामले को रफा-दफा करने के लिए उनसे पैसे की भी मांग की गई। रमेश ने बताया कि उसके परिवार में 6 सदस्य हैं और रसद विभाग ने सातवां सदस्य जोड़कर यह नोटिस उन्हें थमा दिया। इस मामले को लेकर प्रकाश राजपुरोहित ने कहा कि पीड़ित को स्वास्थ्य योजना का लाभ देने के लिए चिरंजीवी योजना में जोड़ने के निर्देश दे दिए गए हैं। जिला कलेक्टर ने कहा कि इस मामले की जांच जा रही है कि किस स्तर पर गलती हुई है और दोषी पर जरूर कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज कर्मचारियों की 24 को प्रदेशव्यापी हड़ताल

रोडवेज बचाने को पांचों यूनियनों का हल्ला बोल

हिलव्यू समाचार
जयपुर। 'रोडवेज बचाओ-रोजगार बचाओ' अभियान के तहत गुरुवार को राजस्थान रोडवेज की पांचों यूनियनों ने मिलकर सिंधी कैम्प से रोडवेज मुख्यालय तक हल्ला बोल रैली निकाली। रैली में हाथों में बैनर लिए नारे लगाते हुए कर्मचारियों ने अपनी मांगों के बारे में प्रशासन को एक बार फिर चेताया। इस रैली में प्रदेशभर से कर्मचारी और सेवानिवृत्त कर्मचारी घर से निकलकर पहुंचे।

कर्मचारी यूनियनों ने संयुक्त रूप से आंदोलन की रूपरेखा बनाई। इसमें नौंवे चरण में 24 नवम्बर को प्रदेशव्यापी हड़ताल का आव्हान किया गया है। हल्ला बोल रैली सभा में संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक एम एल यादव ने कहा कि नौ चरणों के आंदोलन को छठे चरण में पहुंचने के बाद भी सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर वार्ता के लिए कोई रुचि नहीं दिखाई है। यादव ने कहा कि 7 नवंबर को समिति के साथ बात में भी संयुक्त मोर्चे की मांगों पर कोई चर्चा नहीं की गई। ऐसे में मोर्चे के पास आगामी 24 नवम्बर को हड़ताल करने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं है। वक्ताओं ने बस अड्डा प्राधिकरण बनाए जाने का भी विरोध जताया और कहा कि प्राइवेट बसों को सरकारी बस स्टैंडों से संचालित नहीं होने दिया जाएगा।

राहुल के बयान पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का पलटवार

अमर बलिदानियों का अपमान कांग्रेस की फ़ितरत: पूनियां

जयपुर। वीर सावरकर को लेकर राहुल गांधी के दिए गए बयान को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने पलटवार किया है। पूनियां ने गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा कि सब जानते हैं कि नेहरू और जिन्ना की सत्ता की महत्वाकांक्षा ने भारत के टुकड़े किए और भारत के टुकड़े करने वाले जोड़ने की बात करते हैं तो हास्यास्पद है, कितना भी करें, लेकिन जब वह यात्रा पर निकले और वह अमर बलिदानियों के अपमान की बात करते हैं, यह देश में कांग्रेस की ओछी राजनीति को प्रेरित करता है। पूनियां ने वीर सावरकर को लेकर उन्होंने जो टिप्पणी की है, वह उनकी अपरिपक्वता तो है ही, लेकिन शायद उन्होंने भारत का वह उजला इतिहास नहीं पढ़ा, उन अमर बलिदानियों के प्रति कांग्रेस के लोगों की अपमान करने की फितरत हमेशा से रही है।

एमपी के गिरोह ने की थी मंडावरी में वारदात

डकैती और फायरिंग के मामले में पांच बदमाश किए गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
दौसा। जिले के मंडावरी थाना क्षेत्र में 30 अक्टूबर की रात घर के सदस्यों को हथियार की नोक पर बंधक बनाकर सोने-चांदी के जेवरात और लाखों की नकदी लूटने के बाद फायरिंग कर भागने वाले पांच बदमाशों को पुलिस ने मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक संजीव नैन बताया कि मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के थाना मानपुर निवासी सागर मोगिया पुत्र ओम प्रकाश (30), मोहन सिंह मोगिया पुत्र राधेश्याम (38), आकाश मोगिया पुत्र प्रेमपाल (18) व वीरपाल मोगिया पुत्र सुरेंद्र (20) तथा थाना कोतवाली निवासी सोनू सहरिया पुत्र रामनरेश (22) को गिरफ्तार किया है। इनमें से सागर और मोहन सिंह बगराना कच्ची बस्ती थाना कानोता क्षेत्र में रहते हैं।

डकैती और फायरिंग के संबंध में 30 अक्टूबर को वार्ड नंबर 5 निवासी परिवादी धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने एक रिपोर्ट थाना मंडावरी में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि देर रात एक और दो बजे के बीच 6-7 अज्ञात बदमाश उनके घर में घुस गए और बंदूक की नोक पर बंधक बनाकर करीब सवा 2 लाख रुपए नकद, सोने चांदी के जेवरात लूटकर भाग गए। विरोध करने पर जाते समय आसपास की तीन ढाणियों के ग्रामीणों पर फायरिंग की। इससे 4 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

विशेष टीम का किया गठन

आईजी रेंज उमेश चंद्र दत्ता द्वारा घटना को गंभीरता से लिया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी व घटना के खुलासे के लिए एसपी ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालचंद कायल के नेतृत्व में सीओ संतराम व अरविंद गोयल, एसआई अजीत सिंह, दिनेश कुमार, थानाधिकारी रामपाल मीणा एवं डीएसटी से चुनिंदा पुलिसकर्मियों की विशेष टीम गठित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। गठित टीम ने मुखबिर सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान से आसूचना संकलन कर जगह-जगह दबिश देकर गैंग के सक्रिय 5 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

गिरोह में शामिल हैं 15-20 लोग

एसपी ने बताया कि इनके गिरोह में 15 से 20 सदस्य हैं। विभिन्न वारदात में आरोपी बदलते रहते हैं। इस गिरोह ने दौसा के थाना महवा व कोलवा व आसपास के जिलों एवं अन्य राज्यों में दर्जनों वारदाते की है। 1-2 सदस्य रेकी कर टारगेट चिह्नित करते हैं। उसके बाद गैंग के 8-10 सदस्य 4-5 मोटरसाइकिल पर वारदात स्थल से चार-पांच किमी पहले गाड़ी खड़ी कर पैदल पैदल चिह्नित घरों में घुसकर हथियार की नोक पर वारदात करते हैं।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बारां जिले के छीपाबड़ौद कस्बे में महाविद्यालय भवन का किया लोकार्पण

महिला पढ़ लेती है तो पूरा परिवार हो जाता है शिक्षित: मिश्र

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि शिक्षा के अवसर सभी को समान रूप से प्राप्त होने चाहिए। शिक्षा जीवन को संवारती है, इसलिए बालिका शिक्षा को बढावा देना चाहिए जिससे पूरा परिवार शिक्षित होता है। राज्यपाल बुधवार को बारां जिले के दौरे के तहत नवनिर्मित प्रेम सिंह सिंघवी राजकीय महाविद्यालय भवन छीपाबड़ौद के लोकार्पण समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं की स्थापना के साथ महिला शिक्षा को बढ़ावा देना आवश्यक है। एक महिला जिस परिवार में पढ लेती है, वो पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है। महिला शिक्षा का अर्थ समाज को व्यवहारिक रूप से संपन्न करना है।

नवाचार के अवसर प्रदान करती है शिक्षा

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा मनुष्य को आंतरिक जगत से सामंजस्य और बाह्य जगत में समायोजन करना सिखाती है। इससे व्यक्ति विवेकशील व ज्ञानवान होकर सही निर्णय लेने में सक्षम होता है। शिक्षा नवाचार के अवसर प्रदान करती है और कक्षा में पुस्तकें पढ़ने का अभ्यास ही जीवन में अनुशासन सिखाता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने आत्मनिर्भरता की सीख दी थी और शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होकर वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सकती है।

बापू ने बुनियादी शिक्षा को बढ़ाया आगे

राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी ने बुनियादी शिक्षा को आगे बढ़ाया था। इससे शिक्षा का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों को अधिक से अधिक मिले और युवा ग्राम में उच्च शिक्षा प्राप्त कर ग्राम के विकास में सहभागी बने। ग्रामीण युवा शिक्षा प्राप्त कर रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन करते हैं, जबकि उनको ग्राम में रहकर हस्तशिल्प, कृषि एवं स्थानीय कार्य को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा का उपयोग करना चाहिए। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकेगा। राज्यपाल ने कहा कि छीपाबड़ौद में स्थानीय विधायक प्रताप सिंह सिंघवी द्वारा अपने पूर्वजों की स्मृति में महाविद्यालय के निर्माण से बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त हो सकेगी। समारोह में राज्यपाल द्वारा संविधान की प्रस्तावना एवं मूल कर्त्तव्यों का वाचन किया। इस मौके पर विधायक ने राज्यपाल मिश्र के जीवन पर आधारित अभिनंदन पत्र भी भेंट किया गया।

एक नज़र

सीएम गहलोत ने ली जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक

योजना की अवधि 31 मार्च 2026 तक बढ़ाने की मांग

गहलोत ने कहा केंद्र 90:10 के तहत दे सहायता

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश के पूर्वी भाग में पानी की विकट समस्या हैं। यहां जल जीवन मिशन के मापदंडों के अनुसार 55 लीटर पेयजल प्रति व्यक्ति प्रतिदिन उपलब्ध कराने के लिए पूर्वी राजस्थान की जीवनदायिनी योजना ईआरसीपी बेहद अहम है। उन्होंने 13 जिलों में नल कनेक्शन देने के लिए केंद्र से ईआरसीपी को जल्द राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित कराने का आग्रह किया, ताकि जल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री निवास पर मंगलवार को जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में देश का 10 प्रतिशत भू-भाग है, जबकि देश का केवल 1 प्रतिशत पानी ही उपलब्ध है। रेगिस्तानी एवं मरुस्थलीय क्षेत्र होने के साथ ही सतही एवं भू-जल की भी कमी है। गांव-ढाणियों के बीच दूरी अधिक होने और विषम भौगोलिक परिस्थितियों से घर-घर पेयजल उपलब्ध करवाने में लागत अन्य राज्यों से कई गुना ज्यादा आती है। कुछ परिस्थितियों में तो प्रति कनेक्शन लागत 1 लाख रुपए से भी अधिक है। इसे देखते हुए प्रदेश को भी जल जीवन मिशन में 90:10 के तहत सहायता उपलब्ध कराए।

मिशन पर अब तक 10,247 करोड़ रुपए खर्च

बैठक में बताया गया कि जल जीवन मिशन में वर्ष 2019 से अब तक राज्य सरकार द्वारा 10,247 करोड़ रुपए व्यय कर लगभग 30 लाख परिवारों को लाभान्वित किया जा चुका है। मिशन के अंतर्गत राज्य में अब तक 39 हजार से भी अधिक गांवों के वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी की जा चुकी हैं, जो कि मिशन के कुल लक्ष्य का 99 प्रतिशत है।

आरयूएचएस कैंपस में बनाया जाएगा, सरकार को भेजा प्रस्ताव

जयपुर में बनेगा जेके लॉन जैसा ही बच्चों का एक और बड़ा अस्पताल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजधानी में जेके लॉन अस्पताल के जैसा ही बच्चों का एक और बड़ा अस्पताल बनने जा रहा है। शहर से बाहर बनने वाला यह अस्पताल राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय कैंपस में बनेगा। इसमें 300 बेड होंगे। आरयूएचएस प्रशासन ने इसके लिए राज्य सरकार को विस्तृत प्रस्ताव बनाकर भेजा है। बच्चों के इस नए अस्पताल की मुख्यमंत्री आगामी बजट में घोषणा कर सकते हैं।

प्रस्ताव के तहत आरयूएचएस के पास मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर में अस्पताल शुरू करने की मंजूरी मांगी गई है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए अस्पताल में जनरल पीडियाट्रिक यूनिट के अलावा बच्चों के इलाज के लिए सुपर स्पेशलिटी

यूनिट भी शुरू करने की तैयारी है। इसको लेकर चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा का कहना है कि जेके लोन अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में वहां की व्यवस्थाएं सुचारू तरीके से संचालित होती रहे, इसके लिए जरूरी है कि जयपुर में बच्चों का एक और डेडिकेटेड अस्पताल खुले। आरयूएचएस के प्रस्ताव के मामले में मुख्यमंत्री से चर्चा करके जल्द ही फैसला लिया जाएगा।

यह तैयार किया गया है नए अस्पताल का प्लान

प्रस्ताव में मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर में करीब 300 बेड होंगे। अस्पताल में जनरल पीडियाट्रिक की तीन यूनिट 30-30 बेड की होगी। इसके अलावा 100 बैड की पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर यूनिट, 30 बैड की पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, 30 बैड की पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, 30 बैड की पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी व 100 बैड की नियोनेटल क्रिटिकल केयर यूनिट शुरू करने का प्लान तैयार किया गया है।

जेके लोन में सालाना 4 लाख ओपीडी, 50 हजार आईपीडी

बच्चों में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए प्रदेश सहित आसपास के राज्यों के लिए जयपुर का जेके लोन अस्पताल ही एकमात्र विकल्प है। 774 बेड की क्षमता वाले जेके लोन अस्तपाल में दिनों दिन सुविधाओं से अधिक मरीजों का भार बढ़ता जा रहा है। जेके लोन अस्पताल की ओपीडी में 2019 में 447549, 2021 में 286292 व वर्ष 2022 में अभी तक 326864 मरीज रजिस्टर्ड हो चुके है। वहीं, भर्ती मरीजों की संख्या 2019 में करीब 45000 थी, यह संख्या वर्ष 2022 में अक्टूबर तक 43832 दर्ज की गई है। जेके लोन अस्पताल में राजस्थान के अलावा यूपी, हरियाणा, एमपी से मरीज आते हैं।

बनने से पहले यह उठ रहे हैं सवाल

एसएमएस अस्पताल का दबाव कम करने के लिए चार वर्ष पूर्व नया भवन बनाकर आरयूएचएस के अधीन अस्पताल शुरू किया गया, लेकिन अभी तक अस्पताल पूरी तरह शुरू नहीं हो सका। ऐसे में बच्चों का नया अस्पताल शुरू करने से पहले कई सवाल खड़े हो रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अस्पताल शुरू करने के लिए सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर सकती है, लेकिन पहले डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ और मेन पावर की जरूरत पूरी करना बड़ी बात है। इसके बाद मरीज वहां पहुंचे यह सबसे जरूरी है। आरयूएचएस शहर के महिला अस्पतालों से 15 किमी दूर होने से बाल मरीजों के वहां पंहुचने की सबसे बड़ी समस्या है। साथ ही जेके लोन के बने विश्वास को छोड़कर मरीज इतनी दूर क्यों जाए?

भरतपुर पुलिस ने साइबर ठगों पर कसी नकेल

58 हजार सिम और 69 हजार मोबाइल फोन कराए बंद

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जिले में साइबर ठगों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने 58 हजार से ज्यादा सिम कार्ड और 69 हजार से ज्यादा मोबाइल फोन नंबरों को बंद करा दिया।

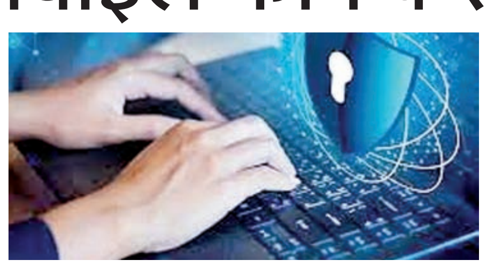

भरतपुर के जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने बताया कि भरतपुर जिले के मेवात इलाके में साइबर अपराधियों द्वारा अपराध में प्रयुक्त दूसरे प्रदेशों आसाम, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल व अन्य राज्यों के फर्जी दस्तावेजों पर एक्टिवेट 58 हजार 991 में मोबाइल फोन सिम कार्ड और इनमें प्रयुक्त 69 हजार 599 मोबाइल फोन आईएमइआई नंबरों को बंद कराया है। एसपी ने बताया कि जिले में साइबर अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए अब तक 31 मामले दर्ज कर 43 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधियों के विरुद्ध उक्त मामलों में 63 मोबाइल फोन में फर्जी सिम कार्ड के अतिरिक्त साइबर अपराधों में प्रयुक्त अन्य प्रदेशों की 195 फर्जी सिम कार्ड, 22 फर्जी एटीएम, क्रेडिट कार्ड, बैंक चेक बुक, पैन कार्ड, दो बोलेरो गाड़ियां, 5 मोटरसाइकिल एवं ठगों द्वारा विभिन्न शिकायतकर्ताओं से ठगे गए 2 लाख से अधिक की राशि भी जब्त करने की कार्रवाई की गई है।

राजस्थान आवासन मंडल करेगा पांच किमी सड़क को डेवलप

गंगा मार्ग का सौन्दर्यीकरण शुरू, कोचिंग हब की लॉटरी निकाली

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने जगतपुरा सीबीआई फाटक से इंदिरा गांधी नगर के बीच करीब 5 कि.मी. लम्बे गंगा मार्ग की सूरत सूरत बदलने जा रहा है। मण्डल ने इस सम्पर्क सड़क के सुदृढीकरण एवं सौन्दर्यकरण का कार्य शुरू कर दिया है। जल्द ही यह जयपुर की 200 फीट चौडी ऐसी शानदार सड़क होगी, जिस पर वाहन बिना किसी अवरोध के दौड़ सकेंगे और रेल्वे लाइन के समानान्तर बनने वाले हरे-भरे ट्रेक पर लोग जॉगिंग एवं वॉकिंग का आनन्द भी उठा सकेंगे। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने गुरुवार को इस कार्य का अवलोकन करते हुए जगतपुरा सीबीआई फाटक से खातीपुरा फ्लाई ओवर (इन्दिरा गांधी नगर) तक निर्माणाधीन कार्य की जानकारी ली, साथ ही मण्डल अभियन्ताओं को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

37 निर्मित संस्थानिक सम्पत्तियों का आवंटन

राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा प्रताप नगर में विकसित कोचिंग हब प्रोजेक्ट में निर्मित संस्थानिक सम्पत्तियों के प्रथम चरण के आवंटन के लिए गुरुवार को लॉटरी निकाली गई। ऑनलाइन आवेदन करने वाली पात्र 29 कोचिंग संस्थाओं को इस लॉटरी के जरिए 37 सम्पत्तियां आवंटित की गई हैं। इन सम्पत्तियों के आवंटन से मण्डल को 75 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होगा। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि प्रताप नगर के सेक्टर-16 स्थित देश के प्रथम कोचिंग हब में निर्मित 140 संस्थानिक सम्पत्तियों के आवंटन के लिये ऑनलाइन पंजीकरण आवेदन प्रक्रिया 25 जुलाई से 30 सितम्बर, 2022 तक खोली गई थी। आवंटित सम्पत्तियों में स्प्रिंग बोर्ड एकेडमी को 48 हजार 150 वर्गफीट, स्प्रिंग बोर्ड स्पर प्रा.लि. को 16 हजार 50 वर्गफीट एवं अन्य 27 संस्थानों को 90 हजार वर्गफीट निर्मित कोचिंग क्षेत्रफल का आवंटन किया गया। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में जयपुर शहर में संचालित कोचिंग संस्थानों को वरियता दी गई थी। साथ ही कम से कम तीन वर्षों से कोचिंग के क्षेत्र में कार्यरत एवं पंजीकृत संस्थानों को ही आवेदन के लिये पात्र माना गया था। आयुक्त ने बताया कि जल्द ही द्वितीय चरण की आवंटन प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। द्वितीय चरण के लिये मण्डल पात्रता शर्तो में बदलाव करते हुए जयपुर एवं जयपुर से बाहर स्थित सभी कोचिंग संस्थाओं को समान प्राथमिकता देने और न्यूनतम 3 वर्षो के कोचिंग अनुभव में शिथिलता देने पर विचार कर रहा है। इससे कोचिंग के क्षेत्र में कार्यरत स्टार्ट अप्स को भी मौका मिल सके।

संगीत नाटक अकादमी के पुरस्कारों की घोषणा

ईला अरुण को मिलेगा संगीत नाटक अकादमी का फेलोशिप सम्मान

कुलदीप गुप्ता

जयपुर। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर की बुधवार को साधारण सभा की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें वर्ष 2022-23 के 12 अवॉर्ड और 11 पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया। साथ ही रंग निर्देशक रमेश भाटी को कोषाध्यक्ष चुना गया। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष बिनाका जेश मालू ने अकादमी फेलोशिप सम्मान, अवॉर्ड और पुरस्कारों की घोषणा करते हुए बताया कि अकादमी का सर्वोच्च फैलोशिप सम्मान देश की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री एवं गायिका ईला अरुण, मुम्बई को प्रदान किया जायेगा। इन्हें पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपए नकद और ताम्र पत्र प्रदत्त किए जाएंगे। अकादमी अध्यक्ष ने बताया कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राज्य के 75 वर्ष पूर्ण कर चुके 75 वरिष्ठ कलाकारों को कला पुरोधा सम्मान प्रदान किया जाएगा।

जैसलमेर के मामे खान सहित 12 प्रतिभाओं को अकादमी अवॉर्ड

विभिन्न विधाओं में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 12 अवॉर्डो के अंतर्गत प्रत्येक को 51 हजार रुपए नकद और ताम्रपत्र प्रदान किए जाएंगे। ये अवॉर्ड जोधपुर के मुकुंद क्षीरसागर को शास्त्रीय गायन, नियाज अहमद जोधपुर को सितार वादन, रेखा ठाकर जयपुर को कथक नृत्य, नाथूलाल सोलंकी पुष्कर को नगाड़ा वादन व लोकगीत गायन में मामे खान जैसलमेर, विजयलक्ष्मी आमेठा उदयपुर को लोकनृत्य, मोहम्मद अली-गनी मुंबई को संयुक्त रूप से सुगम संगीत, रमेश बोहरा बीकानेर को रंगमंच (अभिनय), शहजोर अली जयपुर को रंगमंच (रंगशिल्प), बी.एम. व्यास, मुंबई को रंगमंच (निर्देशन), तोलाराम मेघवाल उदयपुर को कठपुतली कला एवं हरिदत्त कल्ला जयपुर को समग्र कला साधना के लिए अकादमी अवॉर्ड से नवाजा जाएगा।

प्रेरणा राठी सहित छह को युवा पुरस्कार

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष बिनाका जेश मालू ने कहा कि युवा पुरस्कारों के तहत में अनुपराज पुरोहित जोधपुर को शास्त्रीय गायन, कपिल वैष्णव जोधपुर को तबला वादन, सुश्री प्रेरणा राठी जोधपुर को कथक नृत्य व अमित पलवार अलवर को तालबंदी गायन, सुश्री रेनु नागर अलवर-सुगम संगीत, अभिषेक मुद्गल जयपुर - रंगमंच (निर्देशन) के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार स्वरूप प्रत्येक कलाकार को 25 हजार रुपए नकद व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

जमाल सहित पांच को बाल प्रतिभा पुरस्कार

बाल प्रतिभा पुरस्कारों में मोहम्मद फेज जोधपुर को सुगम संगीत, थानु खान बाड़मेर को लोक गायन, मोहम्मद जमाल जयपुर तबला वादन तथा अकादमी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बाल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त सुश्री एंजल सुखवानी उदयपुर को कथक नृत्य व सुश्री सीया ओझा जोधपुर को शास्त्रीय गायन के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार के तहत प्रत्येक कलाकार को 11 हजार रुपए नकद तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

सभा में लिए गए कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

अकादमी सचिव डॉ. सुरजमल राव ने बताया कि सभा ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के संपन्न कार्यक्रमों का अनुमोदन किया। नवंबर 2022 से मार्च 2023 तक संपन्न किए जाने वाले कार्यक्रमों का अनुमोदन करते हुए वित्तीय वर्ष 2023-24 में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों का निर्धारण भी किया। साधारण सभा ने एक अन्य निर्णय में प्रदेश के सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत 14 नई संस्थाओं को अकादमी सम्बद्धता प्रदान की गई और 12 संस्थाओं की सम्बद्धता समाप्त की गई।

10 लाख गुना ज्यादा ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं रईस
125 अरबपति करते हैं 30 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित
183 कंपनियों में सुपर रिच लोगों की 196.45 लाख करोड़ की हिस्सेदारी

प्रदूषण फैलाने में आगे धनकुबेर

दुनिया में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को लेकर कई रिपोर्ट सामने आती रही हैं. ऑक्सफैम की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर के 125 अमीर अरबपतियों के निवेश से सालाना औसतन 30 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है. यह दुनिया के 90% आम लोगों की तुलना में 10 लाख गुना अधिक है.

रिपोर्ट के मुताबिक सुपर रिच लोगों की 183 कंपनियों में 196.45 लाख करोड़ रुपए की हिस्सेदारी है. 'कार्बन बिलियनेयर्स : द इन्वेस्टमेंट एमिशन्स ऑफ द वर्ल्ड्स रिचस्ट पीपल' रिपोर्ट में कहा गया कि जीवाश्म ईंधन, सीमेंट जैसे प्रदूषणकारी उद्योगों में इनका निवेश 500 कंपनियों के औसत से दोगुना है. ये 125 अरबपति सालाना 39.3 करोड़ टन सीओ-टूई (कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य) का वित्तपोषण करते हैं. यह 6.70 करोड़ लोगों के देश फ्रांस के वार्षिक कार्बन उत्सर्जन के बराबर है.

नहीं होती कार्रवाई

ऑक्सफैम इंडिया के सीईओ अमिताभ बेहर के अनुसार ग्रीन हाउस उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार सुपर रिच लोगों की भूमिका पर शायद ही कभी चर्चा होती हो. सरकारें लक्ष्य तो तय कर लेती हैं, लेकिन अरबपति निवेशकों की लापरवाही को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठातीं. इसमें बदलाव लाने की जरूरत है.

ग्रीनहाउस इफेक्ट के लिए जिम्मेदार

ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन जलवायु में परिवर्तन, भूमंडलीय ऊष्मीकरण और ग्रहों के वातावरण के लिए उत्तरदायी है. सबसे ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है. इसके अलावा नाइट्रस ऑक्साइड, क्लोरोफ्लोरो कार्बन, मीथेन, वाष्प आदि होते हैं. इससे ओजोन का क्षरण होता है. कार्बन का उत्सर्जन ग्रीन हाउस इफेक्ट के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है. ग्रीनहाउस गैसें जिन्हें जीएचजी के नाम से भी सम्बोधित किया जाता है. यह गैसें तापमान में हो रही वृद्धि के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार होती हैं. यदि वातावरण में मौजूद 6 प्रमुख ग्रीनहाउस गैसों को देखें तो उनमें कार्बनडाइऑक्साइड (सीओ 2), मीथेन (सीएच 4), नाइट्रस ऑक्साइड (एन 2ओ), हाइड्रोफ्लूरोकार्बन (एचएफसी), परफ्लूरोकार्बन (पीएफसी), सल्फर हेक्साफ्लोराइड (एसएफ 6) शामिल हैं. यह गैसें तापीय अवरक्त सीमा के भीतर के विकिरण को अवशोषित और करती हैं जो ग्रीन हाउस प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है.

जलवायु परिवर्तन का कारण

जैसे-जैसे वातावरण में इन ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ रही है या यह कहें की इन गैसों का आवरण और मोटा होता जा रहा है वो जरुरत से ज्यादा ऊष्मा को रोक रहीं हैं. जिस वजह से धरती पर गर्मी और तापमान बढ़ रहा है. औद्योगिक क्रांति के बाद से इंसान बहुत अधिक मात्रा में जीवाश्म ईंधन और अन्य स्रोतों से इन ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कर रहा है. हम मनुष्यों ने बहुत ही कम अवधि में बहुत ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कर दिया है जिसकी प्राकृतिक तरीके से सफाई नहीं की जा सकती. इससे गैसों के उत्सर्जन और उसे हटाने के बीच का जो संतुलन था वो बिगड़ गया है. वही असंतुलन जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार है. कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2), एक महत्वपूर्ण हीट-ट्रैपिंग, ग्रीनहाउस गैस है, जो मानव गतिविधियों जैसे वनों की कटाई और जीवाश्म ईंधन के जलने के साथ-साथ सांस छोड़ने और ज्वालामुखी विस्फोट जैसी प्राकृतिक प्रक्रियाओं के जरिए वातावरण में फैलती है.

कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर

यदि 2021 तक जारी आंकड़ों को देखें तो इसका स्तर 415.88 पार्टस प्रति मिलियन पर पहुंच चुका है, जोकि पिछले 6.5 लाख वर्षों में सबसे ज्यादा है. पिछले 171 वर्षों मानवीय गतिविधियों के चलते वातावरण में मौजूद इसके स्तर में 1850 की तुलना में करीब 48 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है. यह वृद्धि कितनी ज्यादा है इस बात का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इतनी वृद्धि तो पिछले 20000 वर्षों में प्राकृतिक रूप भी नहीं हुई है.

डिजाइन में बदलाव से दुनिया के बूढ़े शहर हो रहे जवान

वर्तमान में दुनिया की लगभग 55 प्रतिशत आबादी शहरों में निवास करती है. यूनेस्को के एक अध्ययन का निष्कर्ष है कि 2050 तक यह आंकड़ा 70 फीसदी तक पहुंच जाएगा. शहरीकरण के विस्तार की इसी रफ्तार के साथ कदमताल के लिए दुनिया के कई देश तेजी से पुराने शहरों को नए डिजाइन के साथ तैयार कर रहे हैं. शहरीकरण के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिए यहां न केवल पर्यावरण का ध्यान रखा जा रहा है, बल्कि ऊर्जा दक्षता के विकल्प भी खोजे जा रहे हैं.

पुत्रजया, मलेशिया: गार्डन सिटी के साथ ही इंटेलिजेंट सिटी

पुत्रजया 1995 से मलेशिया की संघीय सरकार का प्रशासनिक केंद्र रहा है. कुआलालंपुर से 25 किलोमीटर दक्षिण में स्थित पुत्रजया का मास्टर प्लान भी दुनिया के लिए मिसाल है. इसे गार्डन सिटी और इंटेलिजेंट सिटी कहा जाता है. नियोजित सुविधाओं में बड़े हरे क्षेत्र, जल निकाय और वाटरफ्रंट, परिधीय आवासीय परिसर और एक बड़ा केंद्रीय उपवन शामिल है, जो शहर की रीढ़ के रूप में कार्य करता है. पुत्रजया में ज्यादातर घर आकर्षक और आरामदायक हैं. उनके पास ओपन-कॉन्सेप्ट डिजाइन हैं और बाहर हरे-भरे लॉन हैं. यहां अपराध दर भी कम है.

मेडेलिन, कोलंबिया: झुग्गियों का समाधान

एक समय था जब कोलंबिया का दूसरा सबसे बड़ा शहर मेडेलिन हिंसा, ड्रग्स, बड़े पैमाने पर पलायन और झुग्गी बस्तियों में रहने वाली बहुसंख्यक आबादी की वजह से तबाह हो चुका था. सुनियोजित नगरीकरण की वजह से हुए रूपान्तरण ने इस शहर को दुनिया की आंख का तारा बना दिया है. यहां सार्वजनिक परियोजनाओं के माध्यम से कॉमन सामुदायिक स्थान पेश किए गए हैं. अब मेट्रो केबल कार प्रणाली, सामुदायिक पूल, पार्क और खेल के मैदान जैसी बेहतर सुविधाएं इसे आधुनिक शहर बनाती है.

अबुजा, नाइजीरिया : मास्टर प्लान दुनिया के लिए मिसाल

एक वक्त था, जब नाइजीरिया की राजधानी लागोस हुआ करती थी. भीड़ बढ़ने के कारण राजधानी बदल दी गई और अबुजा पर दुनिया की नजर पड़ी. यहां का मास्टर प्लान दुनिया के लिए मिसाल है. प्रस्तावित मास्टर प्लान का लक्ष्य उन कारकों की पहचान करना था जो विकास को रोक रहे थे. चार प्रगतिशील चरणों में शहर के विकास की योजना बनाई गई थी. हालांकि यह मास्टर प्लान पूरी तरह लागू नहीं हो सका, लेकिन फिर भी यह शहर आज दुनिया के लिए मिसाल है.

ब्राजिलिया, ब्राजील: सामुदायिक स्थानों के लिए सुपर-क्वाड्रा

आर्किटेक्ट और शहरी योजनाकार लुसियो कोस्टा के नेतृत्व में इस शहर के नियोजन को अमली जामा पहनाया गया. शहर दो क्रॉस कुल्हाड़ियों की तरह बनाया गया है, जो किसी हवाई जहाज या उड़ते हुए पक्षी जैसा दिखता है. शहर की लंबी सीमा पर सरकारी भवन है. इसकी क्रॉस एक्सिस पर सरकारी आवास हैं, जिन्हें 'सुपर-क्वाड्रा' के रूप में जाना जाता है. हर सुपर-क्वाड्रा में स्कूल, खेल के मैदान, दुकानें और सामुदायिक स्थान जैसी सुविधाएं हैं.

सेजोंग, दक्षिण कोरिया : राजधानी सियोल का बेहतरीन विकल्प

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल अधिक जनसंख्या, प्रदूषण और बढ़ती आवास दरों की चुनौतियों से ग्रस्त थी. शहरी योजनाकारों और डिजाइनरों द्वारा 2011 में वैकल्पिक शहरी विकास के लिए इस शहर का प्रस्ताव दिया था. सियोल के विकल्प के रूप में तैयार किया गया सेजोंग समकालीन विलासिता और शहर-व्यापी स्मार्ट तकनीक, सौर ऊर्जा भवन, स्वचालित कचरा संग्रह प्रणाली और विद्युत कार चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाएं प्रदान करता है.

विश्व का सबसे बड़ा पुष्प

टाइटन एरम दुनिया अनोखा पुष्प होता है. यह फूल जहां भी खिलता है. वहां देखने वालों की भीड़ लग जाती है, क्योंकि यह कई वर्षों में एक बार खिलता है. इस फूल में खुशबू नहीं आती है. फिर भी यह लोगों के आकर्षण का केन्द्र होता है.

टाइटन एरम के पौधे की लम्बाई 10 फीट तक हो सकती है. यह देखने में बहुत विशाल लगता है. इसकी पंखुड़िया बहुत बड़ी होती है. इसका पौधा मूलरूप से इंडोनेशिया में सुमात्रा के घने जंगलों में पाया जाता है. 'टाइटन एरम' की एक खास बात यह है कि इसका फूल केवल 24 से 48 घन्टों के लिए ही खिलता है. इस पौधे की एक और खास बात यह है कि इसका फूल 7 से 9 वर्ष में केवल एक बार नए फूल की उत्पत्ति के लिए खिलता है. फूल खिलने पर बहुत आकर्षक लगता है.

खुशबू नहीं आती इस फूल में

इसकी खोज के बारे में बात करें तो, 1878 में इटालियन वनस्पतिशास्त्री ओडोआर्डो बेक्कारी सुमात्रा के रेनफोरेस्ट से गुजर रहो थे. जैसे ही वे जंगल के किनारे की ओर आगे बढ़ रहे थे. उन्हें अचानक एक अजीब सी गंध महसूस हुई. यह गंध ऐसी थी, जैसे पास में कोई मृत बंदर हो. उसका मांस पूरी तरह से सड़ चुका हो. उस बदबू से उनका सांस लेना भी मुश्किल हो गया था. जब उन्होंने अपने आस-पास इस गंध का कारण खोजने की कोशिश की तो उसे वहां लगभग 10 फीट बड़ा एक पौधा दिखाई दिया. जब वह उस पौधे के करीब गए तो, उन्होंने पाया कि यह दुर्गंध इस यूनीक प्लांट से ही आ रही थी और इसी के साथ बेक्कारी ने अत्यंत दुर्लभ और अद्भुत 'टाइटन एरम' को खोज लिया.

आकार के कारण रखा गया है यह खास नाम

हालांकि 'टाइटन एरम' एक फूल की तरह दिखता है, लेकिन यह तकनीकी रूप से एक इन्फ्लोरेसेंस है, जो कि एक केन्द्रीय स्तंभ के चारों ओर क्लस्टर फूलों का एक समूह होता है. जिसे 'स्पैडिक्स' के रूप में जाना जाता है और एक पत्तेदार संरचना से घिरा हुआ है. इसका इंडोनेशियाई नाम 'बंगा बैंगकाई' है. इस पौधे का वैज्ञानिक नाम 'एमोरफोफालस टाइटेनम' है. हालांकि यह नाम पौधों की गंध की बजाय उसकी शेप की वजह से रखा गया था. यहां यह भी बता दें कि इस पौधे में दुर्गंध कीट-पंतगों को आकर्षित करने के लिए आती है. ये कीट 'टाइटन एरम' को परागित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

पलाउस फाल्स

मंत्र मुग्ध कर देता है यह झरना

प्राकृतिक रूप से बने पलाउस झरने को देखकर यहां आने वाले आनंदित हो उठते हैं. कई फीट ऊपर से गिरने वाले इस झरने की आवाज सुनकर पर्यटक रोमांचित हो उठते हैं. तेजी से गिरते पानी की आवाज तन-मन को हिला कर रख देती है. यह इतना रोमांचित करता है कि देखने वाले बस देखते रह जाते हैं. इसके आस-पास उगी हुई रंग-रंगीली घास-वनस्पतियां वातावरण को खुशनुमा बना देती हैं. वॉशिंगटन में स्थित पलाउस इस झरने की कुल ऊंचाई करीब सात सौ पच्चीस फीट है. यह झरना पलाउस नदी पर स्थित है. बहने वाली जल धारा की लम्बाई साठ मीटर है. नीचे गिरने के बाद यह पानी वॉशिंगटन की सर्पिलाकार नदी में बहता हुआ निकल जाता है. यहां रोजाना सैकड़ों सैलानी झरने का लुत्फ लेने के लिए आते हैं.

अनोखा स्क्वरल वानर

स्क्वरल बंदर बाकी वानरों से काफी अलग होते हैं. ये सायमीरीन प्रजाति के होते हैं. सायमीरीन नाम में साय का मतलब है बंदर और मीरीन मतलब छोटा अर्थात छोटा बंदर. ये बंदर अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं. इस प्रजाति का मादा बंदर ज्यादा फुर्तीली और ताकतवर होता है.

स्क्वरल बंदर देखने में बहुत छोटे और इनके बाल बहुत ही महीन-कोमल होते हैं. इनके कंधों का रंग जैतून के पेड़ जैसा व इनकी कमर पर पीले संतरी बाल होते हैं. इनके गले और कानों पर सफेद और मुंह पर काले बाल होते हैं. इनके सिर के ऊपरी भाग पर बहुत बाल होते हैं. इनकी लंबाई 25 से 35 सेमी के बीच होती है. सबसे कमाल की बात तो यह है कि जितने बड़े यह खुद नहीं होते उससे बड़ी तो इनकी पूंछ होती है. यह अपनी पूंछ को अपने बचाव के लिये इस्तेमाल करते हैं. ये अपनी पूंछ को चढ़ने-उतरने के लिये इस्तेमाल नहीं करते हैं, बल्कि ये इसे एक संतुलित हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं. स्क्वरल वानर अकेले नहीं रहते हैं. ये सेकड़ों की संख्या में होते हैं. ज्यादा बड़ा समूह होने पर ये छोटे टुकड़ों में बंट जाते हैं. कोई भी खतरा होने पर स्क्वरल बंदर अपने साथियों को आवाज कर सूचित करते हैं. इनसे सांप और दूसरे जहरीले जानवर ड़रते हैं. इनकी उम्र करीब 25 साल की होती है. स्क्विरल बंदर 26 प्रकार की आवाजें निकाल सकते हैं.

सफेद क्यों होता है हवाई जहाज का रंग

हवाई जहाज को सफेद रंग से पेंट करने के पीछे का कारण यह है कि सफेद रंग ऊर्जा का कुचालक होता है. हवाई जहाज अपने पर गिरने वाली सूर्य की अधिकतर किरणों को परावर्तित कर देता है. इससे इसकी बाहरी सतह अधिक गर्म नहीं होती है. इसके अलावा अगर हवाई जहाज को बाहरी रूप से किसी प्रकार का नुकसान होता है तो वह आसानी से दिख जाता है.

अगर जहाज कहीं दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है तो सफेद रंग होने की वजह से उसे आसानी से ढूंढ़ा जा सकता है. यही कारण है कि अधिकतर हवाई जहाज सफेद रंग के ही होते हैं. वायुयान की खिड़कियों में कोने भी नहीं होते हैं. वर्ष 1950 में हवाई जहाज की खिड़कियां चौकोर हुआ करती थीं. पर, वर्ष 1953 में दो हवाई जहाज क्रेश हो गए और कुछ लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा था. इन वायुयानों के कैश होने की वजह चौकोर खिड़कियां मानी गई थीं. हवाई जहाज में चौकोर कोने होने की वजह से खिड़कियों के कोनों पर प्रेशर का कनसंट्रेशन बढ़ता है. जिससे खिड़कियां कमजोर हो जाती हैं और चटक सकती हैं. इसलिए खिड़कियों को थोड़ा घुमावदार बनाया जाता है. इससे प्रेशर विपरीत दिशा में पड़ता है और खिड़कियों के चटकने की सम्भावना नहीं रहती है.

पेड़ के दूध से बनती है चुइंगम

चुइंगम एक विशेष प्रकार के पेड़ के दूध से बनती है. इसे टेस्ट देने के लिए फ्लेवर और शुगर बाद में मिलाया जाता है. चुइंगम के स्वाद से दुनिया को परिचित कराने वाले व्यक्ति का नाम है थॉमस एडम्स. न्यू जर्सी का यह व्यापारी सापोडिला नाम के पेड़ से प्राप्त दूध से सिंथेटिक रबर बनाता था, जिनसे वह खिलौने, मास्क, बरसाती जूते और साइकल के टायर बनाता था.

लोग हो गए इसके दीवाने

19वीं सदी के अंत तक यह पूरी दुनिया में मशहूर हो गई. इंग्लैंड, यूरोप और एशिया में लोग इसके दीवाने हो गए. इसकी लोकप्रियता इतनी अधिक बढ़ चुकी थी कि विश्व बाजार में चॉकलेट की बिक्री में भारी गिरावट हो गई. समय के साथ चुइंगम नए स्वादों, सुगंधों व आकार-प्रकार में बनने लगी. आज बाजार विभिन्न किस्मों की चुइंगम से अटे पड़े हैं. आजकल चुइंगम निर्माण के लिए 'गुड़ा सिपैक' नामक प्रजाति के वृक्षों व लताओं के गोंद का इस्तेमाल किया जाता है. पहले हाथ से बनाते थे, अब इसे आधुनिकतम तकनीक के विशाल संयंत्रों में बनाया जाता है. चुइंग गम में ताजगी और स्वाद को बनाए रखने के लिए पैकिंग एअर टाइट कागजों में की जाती है. वर्ष 1869 में एक दिन थॉमस एडम्स ने रबर के एक टुकड़े को उठाकर अपने मुंह में डाला और चबाने लगा. रबर का यह स्वाद एडम्स को अच्छा लगा. उसने सोचा, क्यों न इसमें कुछ फ्लेवर मिलाया जाए. अपनी इस सोच को वह वास्तविकता में बदलने के लिए जुट गया और फरवरी 1871 में चुइंगम की पहली फैक्ट्री अस्तित्व में आई. वर्ष 1871 में ही एडम्स ने इसका पेटेंट अपने नाम करवाया. पहले इसका नाम 'एडम्स न्यूयॉर्क गम' रखा गया था, जो साल 1888 तक आते-आते 'टूटी-फ्रूटी' बन गया. यह पहली चुइंगम थी जो वेंडिंग मशीन में मिलती थी. यह चुइंगम मीठी थी, लेकिन इसमें किसी तरह की कोई खुशबू नहीं होती थी. तब उत्तरी अमेरिका के एक डेंटिस्ट विलियम रीगल ने इसके स्वरूप और स्वाद में थोड़ा और सुधार किया. इसमें अलग-अलग तरह के फूल-फलों की खुशबू को मिलाकर बाजार में उतारा. इसके बाद डॉक्टर सी मैन ने चुइंगम में 'पैपासीन' नामक पदार्थ मिलाया और इसे और भी सुगंधित बना दिया. 'पैपासीन' न सिर्फ एक सुगंधित पदार्थ था, बल्कि यह पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद भी था.

ज्यादा चबाना सेहत के लिए हानिकारक

चुइंगम का ईजाद भले ही अमेरिका में हुआ हो, लेकिन यहां की कई कम्पनियां उच्चकोटि की चुइंगम का निर्माण करती हैं और विदेशों में निर्यात भी करती हैं. वायुयान के यात्रियों को वायु-दाब और अन्य असुविधाओं से बचाव की दृष्टि से उम्दा किस्म की चुइंगम दी जाती है.
मुंह की बदबू को दूर करने व सांसों में सुगंध बनाए रखने के लिए भी इनका उपयोग किया जाता है. इसे चबाने से दांतों-जबड़ों का व्यायाम हो जाता है. चिकित्सकों का मत है कि अधिक मात्रा में व दिन भर चुइंगम चबाना स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक हो सकता है. इसलिए चुइंगम का सीमित उपयोग ही बेहतर है.

युवाओं को बुला रहा है सबसे खुशहाल देश

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2022 में लगातार पांचवीं बार फिनलैंड को दुनिया के सबसे खुशहाल देश का दर्जा मिला लेकिन लगता है कि ये खुशियां ज्यादा वक्त तक नहीं टिक सकेंगी. इस नॉर्डिक देश में भरपूर पैसे हैं, राजनैतिक स्थिरता भी है और प्राकृतिक सौंदर्य भी, लेकिन यहां की अकेली समस्या बुजुर्ग होती आबादी है. उम्रदराज आबादी के मामले में जापान के बाद दूसरे नंबर पर खड़ा ये देश अब युवाओं को अपने यहां बुला रहा है.

आधी आबादी बुजुर्ग

फिनलैंड की आबादी लगभग 55 लाख है. इसमें भी काफी लोग काम की उम्र पार कर चुके हैं. संयुक्त राष्ट्र संघ के मुताबिक, काम करने वाले लोगों में 39.2 प्रतिशत लोग 65 साल या इससे भी अधिक उम्र के हैं. इससे ये आशंका बन रही है कि अगले एक दशक में ही यहां लगभग आधी आबादी बुजुर्ग होगी. इससे न केवल देश पर पेंशन और उनकी देखभाल का बोझ आएगा, बल्कि कामकाजी लोग घटने के कारण देश का विकास भी धीमा हो सकता है.

बढ़िया काम करने वालों की कमी

ये डर अपने-आप में इतना बड़ा होगा कि फिनलैंड अब दूसरे देशों से कामगारों को अपने यहां लाने की कोशिश कर रहा है. इसकी उनके पास बड़ी वजह भी है. ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (OECD) के अनुसार इस देश में बढ़िया काम करने वाले लोगों की कमी हुई है. इसी कमी को भरने के लिए फिनलैंड की सरकार अब लोगों को आमंत्रित कर रही है. यहां हर साल 20 से लेकर 30 हजार तक कामगार जा सकते हैं. ये संख्या अब तक इसकी आधी रही है लेकिन अब प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए विदेशों से युवा कामगारों को लाने पर सरकार का फोकस है.

बेहद ठंडा मौसम परेशानी का कारण

अब फिनलैंड तो लोगों को अपने यहां बुला रहा है लेकिन क्या लोग जाएंगे? यह भी एक समस्या है. फिनलैंड वैसे तो सबसे खुशहाल देश है लेकिन दूसरे देशों से जाने वाले लोग वहां ज्यादा समय तक टिक नहीं पाते. इसकी कई वजहें हैं. जैसे एक तो है वहां का बेहद ठंडा मौसम, जिसके कारण खासकर एशियाई देशों के लोगों को रहने में परेशानी होती है.

स्थानीय लोग बाहरी को नहीं स्वीकारते

इसके अलावा भले ही फिनलैंड सरकार स्किल्ड विदेशियों को बुलाए, लेकिन स्थानीय लोगों में बाहरी लोगों को लेकर खुलापन कुछ कम है. लोग वहां जल्दी से स्वीकारे नहीं जाते. यहां तक कि चुनाव के दौरान भी दशकों से काम कर रहे लोगों की सुरक्षा और सुविधा वहां बड़ा मुद्दा नहीं बन पाती. ऐसे में लोगों में बाहरी होने का भाव बना रहता है और वे देश को अपना नहीं पाते.

गैर-फिनिश के साथ भेदभाव

अक्सर टेक कंपनियां एक व्यक्ति को नौकरी पर बुलाती हैं लेकिन तनख्वाह इतनी नहीं होती कि परिवार का गुजारा हो सके. ऐसे में परिवार के दूसरे वयस्क का काम करना जरूरी हो जाता है. हालांकि फिनलैंड में काम मिलना भी आसान नहीं. गैर-फिनिश आवेदकों के प्रति भेदभाव वहां आम है. स्थानीय कंपनियां बाहर से आए लोगों को नौकरी पर नहीं रखना चाहतीं.

भाषा की समस्या

वहां बोली जाने वाली भाषा फिनिश मुश्किल मानी जाती है, जबकि अंग्रेजी वहां खास नहीं चलती. ऐसे में लोगों के लिए ये भाषा सीखना जरूरी हो जाता है ताकि वहां के कल्चर में रस-बस सकें. ये भी एक समस्या है. यही कारण है कि बीते दशक भर में जहां अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देशों में एशियाई लोगों का काम और पढ़ाई के लिए जाना बढ़ा, वहीं फिनलैंड में ये कम हो रहा है.

हो सकता है पॉलिसी में बदलाव

एक रिपोर्ट में उन समस्याओं का जिक्र है जो वहां जाने वाले लोगों को होती है. जैसे दफ्तरों में वेलकमिंग माहौल का न होना, देश का बेहद महंगा होना और अकेलापन. अब बढ़ती हुई बुजुर्ग आबादी और विदेशी कामगारों के फिनलैंड में दिलचस्पी न लेने पर वहां की सरकार इस समस्या पर नए सिरे से सोच रही है.

एक नज़र

राहुल के बयान में महाराष्ट्र में सियासी उबाल

उद्धव ठाकरे ने बयान से जताई असहमति, भाजपा ने भी साधा निशाना

एजेंसी

मुंबई। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विनायक सावरकर के बयान को लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया है।

राज्य में कांग्रेस के सहयोगी रहे पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राहुल गांधी के बयान से अहमति जताई है और कहा है कि वे वीर सावरकर का बहुत सम्मान करते हैं। राज्य में कांग्रेस की एक अन्य सहयोगी पार्टी राकांपा ने फिलहाल राहुल के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं की है। भाजपा ने राहुल के बयान की आलोचना की है। इस बीच, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि महाराष्ट्र में सावरकर को लेकर राहुल का बयान कांग्रेस के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपानेता देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के बयान का विरोध करते हुए है कि वह स्वतंत्रता सेनानी के बार में पूरी तरह झूंठ बोल रहे हैं।

सावरकर के प्रति अपार सम्मान: उद्धव

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी सावरकर का बहुत सम्मान करती है और वह स्वतंत्रता सेनानी पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी से सहमत नहीं हैं। शिवसेना के एक धड़े के प्रमुख ठाकरे ने यहां पत्रकारों से बातचीत में यह भी पूछा कि केंद्र ने हिंदुत्व विचारक सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं दिया। उन्होंने कहा, हम सावरकर पर राहुल गांधी की टिप्पणी को स्वीकार नहीं करते हैं। वीर सावरकर के प्रति हमारे मन में अपार सम्मान और आस्था है और इसे खत्म नहीं जा सकता।

BJP नेता ने दिया इंदिरा गांधी की टिप्पणी का हवाला दिया

भाजपा के नेता आशीष शेलार ने राहुल गांधी की टिप्पणियों पर उनकी आलोचना करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा सावरकर की प्रशंसा किए जाने का हवाला दिया। सावरकर पर निशाना साधते हुए दावा किया था कि उन्होंने अंग्रेजों की मदद की थी और डर की वजह से उन्हें माफीनामा लिखा था। शेलार ने कहा, राहुल गांधी ने वीर सावरकर के बारे में बिना सोचे-समझे बयान दिया है और हम इसकी निंदा करते हैं। हमें हैरानी है कि उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने इस मुद्दे पर इतना नरम रुख क्यों अपना रखा है और अपनी खुद की विश्वसनीयता समाप्त कर ली है।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर साधा निशाना, बाली में दिए बयान को लेकर लगाए आरोप

विदेश में घरेलू राजनीति की बात नहीं करने की परंपरा 2014 से टूटी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि भारत के प्रधानमंत्रियों द्वारा घरेलू राजनीति के बारे में विदेशी धरती पर बात नहीं करने की परंपरा मई, 2014 के बाद टूट गई।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर उस समय निशाना साधा है जब एक दिन पहले मंगलवार को मोदी ने बाली में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया था और कहा था कि 2014 के पहले और 2014 के बाद के भारत में बहुत अंतर है तथा देश अब अभूतपूर्व पैमाने और गति से आगे बढ़ रहा है। रमेश ने ट्वीट किया, यह हमारे यहां परंपरा रही है कि प्रधानमंत्री विदेशी धरती पर घरेलू राजनीति, पूर्वाग्रह और दलगत भावना को लेकर नहीं जाते।

यह स्वस्थ परंपरा मई, 2014 के बाद टूट गई। इसकी ताजा मिसाल इंडोनेशिया में दिखी। ज्ञात हो कि भाजपा सरकार 2014 में सत्ता में आई थी। सत्तारूढ़ भाजपा ने 2019 के आम चुनावों में अपनी सत्ता बरकरार रखी।

अगली जी- 20 शिखर बैठक से 2024 के लोकसभा चुनाव में फायदा उठाने का हो सकता है प्रयास

कांग्रेस ने जी 20 की अध्यक्षता भारत को मिलने के बाद बुधवार को दावा किया कि 'दुनिया के सबसे बड़े इवेंट मैनेजर' अगले साल भारत में होने वाली शिखर बैठक का इस्तेमाल असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए करेंगे और 2024 के लोकसभा चुनाव में फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, 19 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ वाले जी 20 समूह की स्थापना 1999 में हुई। 2008 के बाद से बारी-बारी हर सदस्य देश में वार्षिक शिखर बैठक का आयोजन होता है। हर देश को मौका मिलता है और भारत को भी 2023 में इस शिखर बैठक की मेजबानी का मौका मिलेगा। इसका भी उसी तरह स्वागत होगा जैसे कि पहले की शिखर बैठकों का हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया, नई दिल्ली में 1983 में गुटनिरपेक्ष शिखर बैठक हुई थी जिसमें 100 से अधिक देश शामिल हुए थे। दुनिया के सबसे बड़े इवेंट मैनेजर 2023 की शिखर बैठक का उपयोग असल मुद्दों से ध्यान भटकाने और अगले लोकसभा में चुनाव फायदा उठाने के लिए करेंगे।

कर्नाटक में मतदाता सर्वे को लेकर विवाद, कांग्रेस का आरोप

वोटर की निजी जानकारी एकत्र की गई, CM बोम्मई दें इस्तीफा

एजेंसी

बेंगलुरू। बेंगलुरु में मतदाताओं पर हुए एक सर्वे में एक निजी संस्था को शामिल किए जाने को लेकर कर्नाटक में गुरुवार को सियासी विवाद छिड़ गया। विपक्षी दल कांग्रेस ने जहां सर्वे को भ्रष्ट चुनावी अभ्यास करार देते हुए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के इस्तीफे की मांग की वहीं, बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने सर्वे में शामिल होने के लिए निजी संस्था को दी गई अनुमति को रद्द करने की घोषणा की।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बोम्मई इस भ्रष्ट चुनावी अभ्यास के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं, क्योंकि उन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी इकट्ठा करने के काम के लिए एक निजी संस्था को नियुक्त किया। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कर्नाटक मामलों के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ग़ुरुवार को बेंगलुरु में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि बीबीएमपी ने अगस्त में निजी संस्था को घर-घर जाकर मतदाताओं पर 'मुफ्त' सर्वेक्षण करने के लिए अधिकृत किया था। उन्होंने दावा किया कि संस्था ने मतदाताओं के लिंग, जाति, धर्म और मातृभाषा से जुड़ी जानकारी के अलावा उनका मतदाता पहचान पत्र और आधार से संबंधित विवरण एकत्रित किया।

सीएम के खिलाफ दर्ज हो प्राथमिकी

मुख्यमंत्री पर चुनावी धांधली का सूत्रधार होने का आरोप लगाते हुए सूरजेवाला ने कहा, बोम्मई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए और उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। डेटा को सरकार के गरुड़ ऐप्लिकेशन में नहीं, बल्कि निजी संस्था के 'डिजिटल समीक्षा' ऐप्लिकेशन में फीड किया गया था। संस्था ने सैकड़ों बीएलओ को भी नियुक्त किया, जो तकनीकी रूप से सरकार द्वारा नियुक्त व्यक्ति होने चाहिए।

बोम्मई ने कहा, जांच का सामना करने को तैयार

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने चुनावी धांधली के कांग्रेस के आरोपों को गुरुवार को खारिज किया और कहा कि वह इस मामले में जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। बोम्मई ने कहा, मुझे लगता है कि कांग्रेस दिवालिया विचार से ग्रस्त है। यह भारत निर्वाचन आयोग, बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका और एनजीओ के बीच का मामला है। उन्होंने कहा कि अगर गैर सरकारी संगठन ने अपनी स्थिति का गलत इस्तेमाल किया है तो इसकी जांच की जाएगी और कार्रवाई की जाएगी।यह एक निराधार आरोप है। मैं वास्तव में हैरान हूं कि कांग्रेस किस तरह विचारों से दिवालिया हो गई है ... कोई सबूत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, जांच होने दीजिए और सच्चाई सामने आ जाएगी। हम किसी भी जांच से पीछे नहीं हट रहे हैं। मैं बीबीएमपी आयुक्त से मामला दर्ज करने के लिए कहता हूं।

श्रद्धा हत्याकांड: आरोपी की हिरासत बढ़ाई

पूनावाला का होगा अब नार्को टैस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने शहर पुलिस को महरौली हत्याकांड के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला से पांच दिन और पूछताछ करने की बृहस्पतिवार को अनुमति दे दी। अदालत ने मामले का खुलासा करने के लिए उसका 'नार्को टेस्ट' कराने की भी अनुमति दी। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अविरल शुक्ला ने मामले में पुलिस की याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। पुलिस के अनुसार, 28 वर्षीय पूनावाला ने अपनी 'लिव-इन पार्टनर' श्रद्धा वालकर (27) की गत 18 मई की शाम को कथित तौर पर गला घोंट कर हत्या कर दी थी।

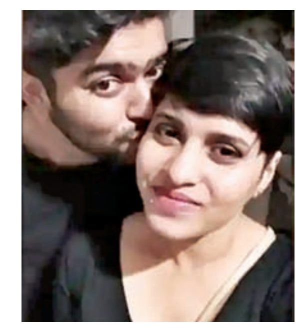

लिव-इन रिलेशनशिप से बढ़ रहे अपराध

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने गुरुवार को कहा कि 'लिव-इन-रिलेशनशिप' से अपराध बढ़ रहे हैं" और पढ़ी-लिखी लड़कियों को ऐसे संबंधों में नहीं पड़ना चाहिए। शिवसेना की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने इस बयान पर मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। किशोर ने श्रद्धा हत्या मामले का जिक्र करते हुए कहा कि लिव-इन-रिलेशनशिप के चलते अपराध होता है

ज्ञानवापी परिसर : मुस्लिम पक्ष की आपत्ति की खारिज

पूजा की अनुमति संबंधी याचिका पर होगी सुनवाई

वाराणसी। वाराणसी की फास्ट ट्रैक अदालत ने ज्ञानवापी परिसर में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगाने और मस्जिद के वजू खाने में मिले कथित शिवलिंग की पूजा पाठ की अनुमति देने के आग्रह वाली याचिका को गुरुवार को सुनवाई योग्य मानते हुए मुस्लिम पक्ष की आपत्ति खारिज कर दी।अदालत अब इस मामले की अगली सुनवाई दो दिसंबर को करेगी। जिला सहायक शासकीय अधिवक्ता सुलभ प्रकाश ने बताया कि सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फास्ट ट्रैक कोर्ट महेंद्र कुमार पांडेय की अदालत ने किरन सिंह की तरफ से दाखिल वाद को सुनवाई योग्य माना है। प्रकाश ने बताया कि हिंदू पक्ष के अधिवक्ताओं ने दलीलें रखी थी कि संपत्ति के अधिकार के तहत देवता को अपनी जायदाद पाने का मौलिक अधिकार है।

पहले फैसला रख लिया था सुरक्षित

अदालत ने मामले की पोषणीयता पर अपना फैसला पिछले सोमवार को 17 नवंबर तक के लिए टाल दिया था। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने पिछली 27 अक्टूबर को अपना निर्णय सुरक्षित कर लिया था जो आठ नवंबर को सुनाया जाना था लेकिन जज के छुट्टी पर होने की वजह से निर्णय नहीं सुनाया जा सका था।

मैनपुरी उपचुनाव: रिश्तों में खटास दूर करने की कोशिश

अखिलेश ने डिंपल ने शिवपाल यादव से लिया आशीर्वाद

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव से पहले समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने अपनी पत्नी एवं इस सीट से पार्टी प्रत्याशी डिंपल यादव के साथ गुरुवार को सैफेई में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के प्रमुख एवं अपने चाचा शिवपाल यादव से मुलाकात की। राजनीतिक विश्लेषक इसे रिश्तों में विधानसभा चुनाव के बाद आई खटास को दूर करने का प्रयास माना जा रहा है। चाचा भतीजे की इस मुलाकात पर तंज करते हुए भाजपा नेता सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि हार के डर से अखिलेश को चाचा की याद आ गई। मैनपुरी लोकसभा सीट सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण रिक्त हुई है। पार्टी किसी भी कीमत पर इस सीट को जीतना चाहती है। मुलाकात के बाद अखिलेश ने ट्वीट किया, नेता जी और घर के बड़ों के अलावा मैनपुरी की जनता का भी आशीर्वाद साथ है। यादव ने इसके साथ ही अपनी, डिंपल, शिवपाल यादव और उनके पुत्र आदित्य यादव की एक तस्वीर भी ट्वीट की। मैनपुरी से समाजवादी पार्टी प्रत्याशी डिंपल यादव ने भी मुलाकात के फोटो के साथ टिवट किया, नेता जी और घर के बड़ों के अलावा मैनपुरी की जनता का भी आशीर्वाद साथ है।

अहम है शिवपाल यादव की भूमिका

मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में शिवपाल की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जसवंतनगर भी मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के तहत आता है। शिवपाल का मैनपुरी के लोगों के साथ करीबी नाता है। मुलायम सिंह यादव की अनुपलब्धता की स्थिति में क्षेत्र में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में शिवपाल उनके प्रतिनिधि के रूप में जाया करते थे। शिवपाल यादव का डिंपल के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए उतरना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का वायुसेना को निर्देश

32 पूर्व महिला अधिकारियों को स्थाई कमीशन देकर दिया जाए पेंशन लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार और भारतीय वायुसेना को निर्देश दिया कि वे शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) की 32 सेवानिवृत्त महिला अधिकारियों को पेंशन लाभ देने के उद्देश्य से उनकी उपयुक्तता के आधार पर स्थायी कमीशन देने पर विचार करें। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायाधीश हिमा कोहली और न्यायाधीश जेबी पारदीवाला की पीठ ने हालांकि, इस आधार पर उनकी सेवा बहाली का आदेश देने से इनकार कर दिया कि उन्हें 2006 और 2009 के बीच सेवा से मुक्त कर दिया गया था। आदेश में कहा गया है, देश सेवा की अनिवार्यताओं से संबंधित आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए बहाली एक व्यवहार्य विकल्प नहीं हो सकता है। पीठ ने कहा कि स्थायी कमीशन की मंजूरी के लिए भारतीय वायुसेना द्वारा योग्य पाई गई महिला आईएएफ अधिकारी उस तारीख से एकमुश्त पेंशन लाभ पाने की हकदार होंगी जब वे सेवा में 20 साल पूरे कर चुकी होतीं, यदि उनकी सेवा जारी रहती।

सीजेआई ने की वायुसेना की सराहना

सीजेआई चंद्रचूड ने निष्पक्ष दृष्टिकोण के लिए भारतीय वायुसेना की सराहना की और केंद्र और वायुसेना की ओर से पेश हो रहे वरिष्ठ अधिवक्ता आर. बालासुब्रमण्यम से कहा कि वह आईएएफ प्रमुख तथा सरकार तक उनकी सराहना पहुंचाए।

असाधारण शक्तियों का उपयोग

पीठ ने अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्ति का प्रयोग करते हुए कहा, हमारा मानना है कि इन महिला एसएससी अधिकारियों को पेंशन लाभ देने पर विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि भारतीय वायुसेना इन सेवानिवृत्त अधिकारियों की उपयुक्तता की जांच करेगी और एचआर (मानव संसाधन) नीति के अनुसार स्थायी कमीशन की मंजूरी के लिए पात्र पाये जाने पर पेंशन लाभ देने पर विचार करेगी।

रेलवे: 80 हजार कर्मियों को होगा फायदा

मिलेगा उच्च वेतनमान का लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे ने एक नया प्रावधान लागू किया है, जिसके तहत इसके सुपरवाइजरी कैडर को ग्रुप 'ए' अधिकारियों के बराबर उच्च वेतनमान तक पहुंचने का मौका मिलेगा। इससे रेलवे के करीब 80 हजार कर्मचारियों को वेतन में वृद्धि का अवसर मिलेगा, जो वेतन में ठहराव का सामना कर रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को नए प्रावधान की घोषणा करते हुए कहा कि रेलवे के लेवल-7 में सुपरवाइजरी कैडर के वेतनमान में ठहराव था और उनकी पदोन्नति की गुंजाइश न के बराबर थी। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, पिछले 16 वर्ष से सुपरवाइजर कैडर के वेतमान में बढ़ोतरी की मांग की जा रही थी। पदोन्नति का एकमात्र रास्ता ग्रुप 'बी' की परीक्षा देकर चयनित होना था। अब स्तर 50 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए 7 से स्तर 8 पर जाने को लेकर प्रावधान किया गया है। गैर कार्यकारी ग्रेड में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए चार साल में स्तर -8 से पदोन्नति पाकर स्तर 9 तक पहुंचने को लेकर प्रावधान किया गया है। इस कदम से सुपरवाइजर श्रेणी के 40,000 कर्मचारियों जैसे स्टेशन मास्टर, टिकट चेकर, यातायात निरीक्षकों को लाभ होने की उम्मीद है।वेतनमान में बढ़ोतरी का मतलब है कि सभी को औसतन 2,500 रुपये से 4,000 रुपये प्रति माह अतिरिक्त वेतन मिलेगा।

राजापार्क ही नहीं पूरी राजधानी में देर रात तक चाय की दुकानें खुलना और धड़ल्ले से चलना संदिग्ध फिर भी चाय स्टालों की क्यों नहीं हो रही फ़ूड टेस्टिंग जाँच

आख़िर क्यों बनी रहती है लगातार इन चाय के स्टालों पर भीड़? क्या कभी पुलिस प्रशासन ने जानने की कोशिश की है?

कुलदीप गुप्ता, सह-संपादक

जयपुर। राजापार्क मार्केट में देर रात तक खुलने वाली चाय की दुकान पर कुछ युवकों ने गत रविवार हरप्रीत सिंह पर हमला कर दिया। केवल सीट पर बैठने को लेकर विवाद हुआ था। कहासुनी के बाद हमलावर चार-पाँच लोगों के साथ आये और हाथापाई और डंडों के हमले से हरप्रीत सिंह पर हमला बोल दिया। हरप्रीत के हाथ में तीन जगह फैक्चर हुआ। तत्पश्चात राजापार्क क्षेत्र के निवासियों ने गुरुद्वारा राजापार्क के सामने गोविंद मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। एसपी ईस्ट राजीव जी पचार और पुलिस प्रशासन ने समझाइश के बाद जाम खुल सका।एडिनेशनल एसपी ईस्ट अवनीश शर्मा के आश्वासन के पश्चात अब चाय की दुकानें होंगी समय पर बन्द हो रही हैं।एसी मार्केट के सामने पुलिस की नाकाबंदी निरन्तर चालू है।

मारपीट से घायल हरप्रीत सिंह से SMS अस्पताल में भर्ती के दौरान हिलव्यू सह-संपादक कुलदीप गुप्ता की सीधी बातचीत।

विधायक कालीचरण सर्राफ के नेतृत्व में किया गया। धरना प्रदर्शन हुआ...इसी दबाव के चलते चार आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

पीड़ित हरप्रीत सिंह से सीधी बातचीत के कुछ अंश-

प्रश्न : क्या केवल सीट को लेकर इतना विवाद बढ़ गया?

हरप्रीत सिंह : जी ! मैं अक्सर वहाँ चाय पीता हूँ। उस दिन भी चाय पीने ही गया था। हल्की फुल्की कहासुनी सीट को लेकर हुई। उसके बाद वो चले गए वो दो लोग थे और बाद में तीन और किसी को लेकर आये और मुझपर डंडों से हमला बोल दिया।

प्रश्न : क्या देर रात तक चलने वाली यह चाय की दुकानें पुलिस बन्द नहीं करवाती?

उत्तर : राजापार्क में रात को नहीं सुबह 3-4 बजे तक खाने-पीने के होटल, ढाबे,दुकानें चलती रहती हैं। चाय की दुकानें भी चलती रहती हैं। जो कि स्थानीय लोगों के लिए सरदर्द है लेकिन कभी इस पर यहाँ की आम जनता या पुलिस ने एक्शन नहीं लिया!

प्रश्न : आख़िर ये कैसी चाय की दुकानें हैं जहाँ हर वक़्त भीड़ ही रहती है रात को भी जमावड़ा लगा रहता है?

उत्तर : यह तो है यहाँ देर रात तक लड़के-लड़कियाँ चाय के लिए बैठे रहते हैं और तो और भीड़ हमेशा बनी रहती है। जिससे असामाजिक लोगों का भी जमावड़ा यहाँ बना रहता है। स्थानीय लोग कम होते हैं बाहर या आसपास के क्षेत्र के लोग,अज़नबी लोग ज़्यादा होते हैं।

प्रश्न : अभी आप प्रशासन से क्या अपेक्षा रखते हैं?

उत्तर : यही कि सभी अपराधियों को सज़ा मिले और यहाँ के बाज़ार पर सख़्ती बनी रहे और लगातार पुलिस इस तरह की गतिविधियों पर नज़र रखे। मामला ठंडा होने पर एक समय बाद पुलिस की यह चौकसी व सख़्ती कुछ समय बाद बन्द न हो जाये।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पंडित सुरेश मिश्रा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपने ख़ून से लिखा पत्र

प्रदेश में असमंजस की स्थिति ख़त्म हो : पंडित सुरेश मिश्रा

शालिनी श्रीवास्तव

वरिष्ठ कांग्रेस नेता पं. सुरेश मिश्रा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को अपने खून से पत्र लिखा है। इस दौरान हिलव्यू समाचार से हुई वार्ता के कुछ अंश-

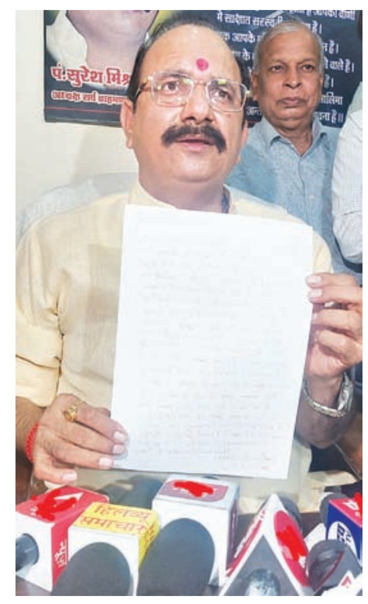

प्रश्न : आपने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खडंगे को अपने ख़ून से लिखे इस पत्र में क्या आग्रह किया है?

उत्तर : मैंने राजस्थान के संदर्भ मे मुख्यमंत्री पद को लेकर जो अनिर्णय और भ्रम की जो स्थिति बनी हुई है उस पर आग्रह किया है कि वे जल्द से जल्द इसका फैसला करें क्योंकि 25 सितम्बर को जो कुछ घटनाक्रम हुआ वो उनके संज्ञान में है। आगामी दिसम्बर माह में प्रदेश में माननीय श्री राहुल गांधी जी भारत जोड़ो यात्रा लेकर आ रहे हैं।हम सब कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि प्रदेश में उनका अभूतपूर्व स्वागत हो और इसके लिये हम सब मिलकर पूरी ताक़त और ईमानदारी के साथ इसे सफल बनाएंगे

प्रश्न : आपके मन में अपने ख़ून से पत्र लिखने की इच्छा कैसे जाग्रत हुई?

उत्तर : आम कार्यकर्ता और प्रदेश की जनता के लिए कि बहुत समय से भ्रामक स्थिति बनी हुई है। आम जनता भ्रमित न हो। जनता उम्मीद कर रही है कि आलाकमान राजस्थान के विषय में जल्द से जल्द फैसला करें।आज 52 दिन के बाद भी अनिर्णय की स्थिति है। अजय माकन जी ने भी इसी भ्रामक स्थिति व अनिर्णय की वजह से अपना त्यागपत्र दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे साहब और आलाकमान से आग्रह है कि अजय माकन जी के उठाये बिंदुओं पर भी जल्द से जल्द निर्णय हो। जिससे प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ हमारी सरकार बने और प्रदेश का विकास हो। मुझे पूरी आशा और विश्वास है कि वे मेरे इस खून से लिखे पत्र में मेरी और प्रदेश के आम कार्यकर्ताओं की भावनाओं के अनुरूप जल्द फैसला करेगें।

नए डीजीपी उमेश मिश्रा ने क़ानून व्यवस्था के लिए दिए सख़्त आदेश

पुलिस ज़मीनों पर कब्ज़ा करवाने और विवादित ज़मीनों पर हस्तक्षेप करना छोड़ दे, वरना भुगतना पड़ेगा: डीजीपी

एसएचओ से लेकर पुलिस अधीक्षक तक के फील्ड अधिकारियों को रोजाना 12 से डेढ़ बजे के बीच थाने और अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर करनी होगी जनसुनवाई

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान पुलिस नए डीजीपी उमेश मिश्रा ने बैठक कर पुलिस अधिकारियों को सख़्त हिदायत दी है कि यदि कोई पुलिस अनुचित कार्य करते पाया गया तो उसके ख़िलाफ़ सख़्त कार्यवाही की जाएगी।

राजस्थान डीजीपी उमेश मिश्रा ने कानून व्यवस्था पर अधिकारियों के साथ जो पहली बैठक ली उसमें अपने सख़्त रवैये और प्रदेश में कानून व्यवस्था स्थापित रखने के लिए अपने रुख़ से सभी अधिकारियों को सचेत कर दिया। DGP ने अपनी पहली बैठक में एसएचओ से लेकर पुलिस अधीक्षक तक के फील्ड अधिकारियों को रोजाना 12 से डेढ़ बजे के बीच थाने और अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर जनसुनवाई करने के निर्देश भी दिए और कहा कि इसकी पालना होना आवश्यक है, अन्यथा सख़्त कार्यवाही की जाएगी। मिश्रा में साफ कर दिया कि अगर कोई अधिकारी इस दौरान बिना किसी उचित कारण के अनुपस्थित पाया गया तो कार्यवाही के लिए वो तैयार रहे केवल कोर्ट की सुनवाई और छुट्टी के दिन ही इसमें छूट मिले सकेगी। साथ ही कहा कि अगर कोई परिवादी अपना मामला लेकर आता है तो उसे प्रगति की पूरी रिपोर्ट दी जाएगी।

डीजीपी उमेश मिश्रा से हिलव्यू समाचार संपादक शालिनी श्रीवास्तव एवं सह-संपादक कुलदीप गुप्ता की मुलाक़ात

उन्होंने आज के हालातों को बयां करते हुए कहा कि कहा आज एसएचओ से मिलना बहुत मुश्किल है, जबकि अधिकारियों से मिलना आसान। DGP ने बड़े ही सख़्त लहज़े में स्पष्ट कर दिया कि अब पुलिस की ज़मीनों पर कब्ज़े करवाना या विवादित ज़मीनों में बिना आदेश या कार्यवाही के हस्तक्षेप करना और अपराधियों से मिलीभगत करना अब बख़्शा नहीं जाएगा ऐसा होने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी और अगर कोई मामला संज्ञान में आता है तो सम्बंधित अधिकारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

सर्व ब्राह्मण महासभा चिकित्सा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

कोविड के समय चिकित्सकों ने देवदूत के रूप में कार्य किया-पं. सुरेश मिश्रा

जयपुर 20 नवम्बर। सर्व ब्राह्मण महासभा चिकित्सा प्रकोश्ठ द्वारा प्रदेश स्तरीय नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह इंटरनल हॉस्पिटल के सभागार में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि कोविड के समय चिकित्सकों ने देवदूत के रूप में कार्य किया है। इस अवसर पर प्रदेश स्तरीय चिकित्सा प्रकोष्ठ के 31 पदाधिकारियों ने संगठन से जुड़कर महासभा की गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. समीर शर्मा के नेतृत्व में 31 सदस्यीय कार्यकारिणी ने शपथ ली और डॉ. शर्मा ने इस अवसर पर कहा है कि हम महासभा चिकित्सा प्रकोष्ठ की इकाइयों को प्रदेश में वार्ड स्तर तक ले जायेगें। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी 3 माह में 5 हजार चिकित्सकों को जोडेगें। महासभा ने अभी तक गतिविधियों में ब्राह्मणों के सभी वर्गों को जोड़ा है तथा भविष्य में भी अन्य प्रकोष्ठ की इकाइयों को भी सक्रिय किया जायेगा। इस अवसर पर महासभा के सदस्यों के लिये डॉ. संजीव शर्मा एवं डॉ. अनिल शर्मा द्वारा हृदय एवं जोडो संबंधित बीमारियों और उनके बचाव पे व्याख्यान दिए गए। इस अवसर पर डॉ. नीरज नागेच, डॉ. दिलीप दुबे, डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. सुमित शर्मा, डॉ. लोकेश शर्मा, डॉ. अनिल शर्मा, डॉ. महेश शर्मा, डॉ. आकाश पारीक, डॉ. राधा शर्मा, डॉ. संदीप, डॉ. अंकिता, डॉ. शिव शंकर शर्मा, डॉ. अरुणिमा, डॉ. भारती. डॉ. सुरेश भार्गव,, डॉ. संगीता भार्गव, डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. नीरज शर्मा, डॉ. कपिल शर्मा, डॉ. सोनम शर्मा, डॉ. आदित्य शर्मा, डा. आशीष शर्मा, डॉ. एस.बी. शर्मा, डॉ. शशिकांत शर्मा, डॉ. बसंत शर्मा, डॉ. अजय वशिष्ठ, डॉ. स्वाती मिश्रा, डॉ. कुलदीप तिवारी, डॉ. भावेश कौशिक, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. राजेश भार्गव, प्रीति भार्गव, डॉ. नूपुर चतुर्वेदी, डॉ.उमेश हिमानी इत्यादि को राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने शपथ दिलाई। साथ ही महासभा के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सविता शर्मा, युवा अध्यक्ष पूजा शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, अरविन्द मिश्र, विजय भास्कर, बी.एन भरतपुरिया, प्रदेश सचिव हरीश मिश्रा, युवा प्रकोष्ठ के प्रमोद शर्मा, सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

एमसीडी चुनाव: कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी, दिल्ली में प्रदूषण पर नियंत्रण का वादा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दिल्ली नगर निगम (MCD) के आगामी चुनाव के लिए शनिवार को अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें प्रदूषण पर नियंत्रण, निकाय की आय दोगुनी करने और शहर के तीन कचरा डालने के स्थलों को साफ करने का वादा किया गया है. घोषणापत्र के अनुसार दिल्ली में वायु और जल प्रदूषण के स्तर को कम करना पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है. इसके अलावा "सांप्रदायिक सद्भाव बहाल करना" और नगरीय निकायों की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए उनकी आय को दोगुना करना भी पार्टी की शीर्ष प्राथमिकता में शामिल है। घोषणा पत्र में कहा गया है, "हम दिल्ली नगर निगम के मौजूदा कर्मचारियों को नियमित करेंगे, रिक्त पदों को भरेंगे और अधिक रोजगार पैदा करेंगे. राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के निर्देश के अनुसार, तीन लैंडफिल साइट पर 'कूड़े की कुतुब मीनार' को हटाया जाएगा. हम रीसाइकलिंग बढ़ाने और लैंडफिल साइट पर 'कचरे' को कम करने के लिए स्थाई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा के प्रबंधन कमेटी में महेश जोशी, शांति धारीवाल, धर्मेन्द्र राठौड़ का नाम नहीं

क्या यही हैं इनके विरुद्ध बड़ी कार्यवाही के बड़े संकेत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बीते दिनों में कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बिल्कुल उलट बैठक करने वाले संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, सरकारी मुख्य सचेतक और जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी और राजस्थान पर्यटक विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौर के ख़िलाफ़ कार्रवाई किए जाने के संकेत अब लगातार मिल रहे हैं।

कांग्रेस प्रभारी अजय मकान की नाराज़गी और इस्तीफे के बाद अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के प्रबंधन से तीनों नेताओं को हटा दिया गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भारत जोड़ो यात्रा के लिए बनाई गई प्रबंध कमेटी में इन तीनों नेताओं का नाम शामिल नहीं है।इन सब कार्यवाहियों को देखते हुए यह अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि इन दोनों नेताओं पर अनुशासनहीनता के संबंध में कोई कदम उठाया जा सकता है। इससे पहले आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को भी गुजरात चुनाव प्रबंधन से हटा दिया गया।

सचिन पायलट समर्थक वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने भी खुले रूप से बग़ावत करने वालों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्यवाही करने की मांग उठाई। इससे पहले सैनिक कल्याण राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा,विधायक दिव्या मदेरणा और वेदप्रकाश सोलंकी भी इन लोगों के ख़िलाफ़ कार्यवाही की मांग कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तीनों नेताओं को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के प्रबंधन को लेकर सक्रिय किया था। वे तीनों नेताओं को अपने साथ राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की व्यवस्थाओं के लिएबाराँ दौरे पर साथ भी लेकर गए थे। फिलहाल सीएम गहलोत इंदिरा जी की जयंती पर दिल्ली में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इन कार्यक्रमों में सोनिया गांधी भी शामिल थी। सीएम गहलोत की ओर से सोनिया गांधी के पास बैठे तस्वीर को जोर-शोर तरीके से वायरल भी किया गया। यह संकेत सोनिया का गहलोत के प्रति अब भी विश्वास का प्रतीक माना जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)